राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 21 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-212 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बांग्लादेश से पाकिस्तान तक गूंजते हैं मैया के जयकारे

● सिंगापुर, कनाडा, लंदन और श्रीलंका में भी जय जयकार ● कहीं गिरा सिर तो कहीं गिरी जांघ,अद्भुत है मां जगदम्बा की महिमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शारदीय नवरात्रि 22 से 30 सितंबर 2025 तक मनाई जाएगी। भारत ही नहीं, विदेशों में भी मां दुर्गा के कई प्रसिद्ध मंदिर हैं। सिंगापुर का श्री मरिअम्मन मंदिर, कनाडा का देवी मंदिर, लंदन का श्री दुर्गा मंदिर, श्रीलंका का नल्लूर कंदस्वामी मंदिर और नेपाल का गोरखनाथी मंदिर नवरात्रि पर विशेष पूजा और उत्सव के लिए जाने जाते हैं। भारत में तो जगह-जगह मां दुर्गा की आराधना होती ही है, लेकिन विदेशों में भी कई भव्य मंदिर मौजूद हैं जहां भक्त नवरात्रि के दौरान माता के दर्शन

कर सकते हैं। जो लोग विदेश में रहते हैं या नवरात्रि के समय विदेश यात्रा पर हैं, उनके लिए यह अवसर और भी खास बन जाता है। दुनिया के कई देशों में देवी मंदिर न केवल भारतीय संस्कृति का प्रतीक हैं, बल्कि वहां मां की भक्ति का गहरा अनुभव भी मिलता है।

मनसा शक्तिपीठ तिब्बत,मिथिला पीठ नेपाल- मनसा शक्तिपीठ तिब्बत में मानसरोवर नदी के पास है। मान्यता है कि यहां माता सती की दाईं हथेली गिरी थी। इस स्थान पर माता दाक्षायनी के रूप में पूजी जाती हैं।

चट्टल भवानी और सुगंधा शक्तिपीठ बांग्लादेश- बांग्लादेश में मां दुर्गा के कई प्राचीन और पवित्र मंदिर स्थित हैं। इन्हीं में से एक है चट्टल भवानी शक्तिपीठ, जो चिट्टागौंग जिले के चंद्रनाथ पर्वत पर स्थित है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, यहीं माता सती की दायीं भुजा गिरी थी, जिसके कारण यह स्थान शक्तिपीठ के रूप में विख्यात हुआ। बांग्लादेश के शिकारपुर से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित यह शक्तिपीठ बेहद प्रसिद्ध है। यहां माता की नासिका गिरी थी और इसी कारण उन्हें सुगंधा नाम से पूजा जाता है। इस स्थान को उग्रतारा शक्तिपीठ के नाम से भी जाना जाता है।

सीआईडी करेगी जुबीन गर्ग की मौत की जांच

● परिवारजनो से मिले असम सीएम,दिए जांच के आदेश

गुवाहाटी (एजेंसी)। लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग की सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान मौत हो गई थी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा अपनी पत्नी के साथ जुबीन के घर पहुंचे और परिवार से मुलाकात की। हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि वह सिंगापुर से लगातार संपर्क में हैं। जुबीन गर्ग का पोस्टमॉर्टम सिंगापुर में पूरा हो गया है। उनके पार्थिव शरीर को अब भारतीय दूतावास के अधिकारियों को दे दिया गया है। वहीं असम में दो लोगों के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की गई हैं। सीएम ने बताया कि शेखर जोथी गोस्वामी, श्री

संदीपन गर्ग और सिद्धार्थ शर्मा (प्रबंधक) जुबीन गर्ग के शव को भारत ला रहे हैं। सीएम ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी रिनिकी भुयान सरमा के साथ शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की। वह गुवाहाटी स्थित दिवंगत गायक के आवास पर गए थे। सीएम ने कहा कि रिनिकी और मैं, इस दुख की घड़ी में अपने प्रिय जुबीन के परिवार के साथ एकजुटता दिखाने के लिए गुवाहाटी स्थित उनके आवास पर गए। उनके हजारों प्रशंसक उनके अंतिम दर्शन के लिए सड़कों पर इंतजार कर रहे हैं – हम उन्हें जल्द ही असम वापस लाने के लिए लगातार संपर्क में हैं। सीएम ने बताया कि शुक्रवार को जुबीन सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सांस लेने में गंभीर समस्या हुई।

100 दुखों की सिर्फ एक दवा आत्मनिर्भर भारत

● मोदी बोले-दूसरे देशों पर निर्भरता हमारी सबसे बड़ी दुश्मन

पीएम ने कहा-यह हमारे आत्मसम्मान को चोट पहुंचाता है

भावनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को एक दिन के गुजरात दौरे पर पहुंचे। उन्होंने भावनगर में करीब 35 मिनट तक जनता को संबोधित किया। पीएम ने विकसित भारत, कानूनों में बदलाव और आत्मनिर्भर भारत का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि भारत आज विश्व बंधु की भावना से आगे बढ़ रहा है दुनिया में हमारा कोई दुश्मन नहीं है। सच में अगर हमारा कोई दुश्मन है तो वो है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। हमें मिलकर भारत के इस दुश्मन को हराना है। दूसरों पर निर्भर रहेंगे तो हमारे आत्मसम्मान को चोट पहुंचेगी। हम भावी पीढ़ी के भविष्य को दांव पर नहीं लगा सकते, इसलिए कहते हैं 100 दुखों की एक दवा, वो है आत्मनिर्भर भारत। पीएम सुबह 10 बजे भावनगर पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने एयरपोर्ट से जवाहर ग्राउंड तक रोड शो किया। समुद्र से

समृद्धि कार्यक्रम में सौराष्ट्र और गुजरात में 34,200 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का वर्चुअली उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये योजनाएं पोर्ट्स, शिपिंग एंड वाटरवेज मंत्रालय, गुजरात मैरीटाइम बोर्ड और अन्य राज्यों के समुद्री बोर्ड से जुड़ी हुई हैं। इसके बाद पीएम धोलेरा का हवाई सर्वे भी करेंगे।

● **कांग्रेस ने कौशल को नजरअंदाज किया-** भारत में कौशल की कमी नहीं है, लेकिन आजादी के बाद कांग्रेस ने इसे नजरअंदाज किया। छह-सात दशकों तक भारत वो सफलता हासिल नहीं कर सका जिसके हम हकदार थे। इसके दो बड़े कारण थे लंबे समय तक कांग्रेस सरकार ने देश को लाइसेंस कोटा राज में लटकाए रखा। जब ग्लोबलाइजेशन का दौर आया तो इंपोर्ट का रास्ता पकड़ लिया उसमें भी करोड़ों के घोटाले कर दिए। देश के नौजवानों का बहुत नुकसान किया। इन नीतियों ने भारत की असली ताकत को सामने आने से रोक दिया। साथियों देश का कितना नुकसान हुआ इसका उदाहरण हमारा शिपिंग सेक्टर है।

● **100 साल पर विकसित भारत का सपना-** भारत को अगर 2047 तक विकसित होना है तो भारत को आत्मनिर्भर होना पड़ेगा। आत्मनिर्भर होने के अलावा हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। 140 करोड़ देशवासियों का एक संकल्प लेना चाहिए कि चिप हो या शिप हमें भारत में ही बनानी है। अब बिजनेस और कारोबार को और सरल करना है। मानसून सेशन के दौरान संसद में हमने कई पुराने कानूनों को बदला है जो अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे हैं। मैरीटाइम सेक्टर में रिफॉर्म किया है। इन कानूनों के आने से शिपिंग सेक्टर में बड़ा बदलाव आने वाला है।

कुड़मी समाज का प्रदर्शन, 40 स्टेशनों पर ट्रेनें रोकीं

रांची (एजेंसी)। झारखंड में शनिवार यानी 20 सितंबर को कुड़मी समाज के लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करने की मांग को लेकर रेल टेका आंदोलन चलाया जा रहा है। राज्य के 40 रेलवे स्टेशन पर आंदोलन जारी है। प्रदर्शनकारी सुबह से ही पारंपरिक परिधान में ढोल-मांदर के साथ रेलवे ट्रैक पर उतरे। गिरिडीह, चक्रधरपुर, जामताड़ा,

बोकारो में प्रदर्शनकारी रेलवे ट्रैक पर बैठ गए और ट्रेनों को रोका। प्रदर्शन को देखते हुए रांची के 4 रेलवे स्टेशन पर धारा 144 लगाई है। दरअसल कुड़मी समाज झारखंड-बंगाल और ओडिशा में 100 स्टेशनों पर ट्रेन रोकने की योजना है। इनमें झारखंड के 40 रेलवे स्टेशन हैं। झारखंड में राजधानी रांची से सटे मुरी, टाटीसिल्वे, मेसरा जैसे स्टेशन पर भी प्रदर्शनकारी ट्रैक पर उतरे हैं। आंदोलन को देखते हुए मुरी स्टेशन पर 500 आरपीएफ जवानों की तैनाती की गई है।

अमेरिका एच-1 बी वीजा फीस बढ़ी, अब 88 लाख वसूलेगा

● राहुल गांधी बोले-मैं तो पहले से कह रहा हूं कमजोर है भारतीय पीएम ● खड़गे बोले-मोदी-मोदी का नारा विदेश नीति नहीं, इससे हर भारतीय दुखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की तरफ से एच-1 बी वीजा के लिए एप्लिकेशन फीस बढ़ाने पर राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधा। राहुल ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि भारत के पास कमजोर प्रधानमंत्री है। राहुल ने 2017 का पोस्ट फिर से शेयर किया, उस वक्त भी उन्होंने मोदी पर आरोप लगाया था कि पीएम ने एच-1 बी वीजा पर अमेरिका से बात नहीं की थी। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लिखा कि मोदी ने बर्थडे पर जो रिटर्न गिफ्ट दिया है उससे हर भारतीय दुखी है। राष्ट्रीय हित सबसे पहले है। गले मिलना और लोगों से मोदी-मोदी के नारे लगवाना विदेश नीति नहीं है। दरअसल अमेरिका अब एच-1बी वीजा के लिए एक लाख डॉलर (करीब 88 लाख रुपए) एप्लिकेशन फीस वसूलेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को व्हाइट हाउस में इस ऑर्डर पर साइन किए। अब तक एच-1 बी वीजा की एप्लिकेशन फीस 1 से 6 लाख रुपए तक थी। खड़गे ने और आरोप लगाए।

भिखारी पति के खिलाफ कोर्ट पहुंची दूसरी पत्नी, गुजारा मांगा

केरल हाईकोर्ट बोला-पाल नहीं सकते तो दो-तीन शादियां क्यों, इस्लाम भी इसकी इजाजत नहीं देता

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने कहा कि वह किसी ऐसे मुस्लिम व्यक्ति की एक से ज्यादा शादियों को मंजूर नहीं कर सकता, जिसके पास पत्नियों का भरण-पोषण करने की काबिलियत ही नहीं है। कोर्ट एक मुस्लिम भिखारी की दूसरी पत्नी की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसने पति से 10 हजार गुजारा भत्ता मांगा था। मामला पेरिंथलमन्ना का था, जिसमें 39 साल की महिला अपने अंधे पति के खिलाफ कोर्ट पहुंची थी। इससे पहले वह फैमिली कोर्ट भी गई, लेकिन कोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी थी कि उसके भिखारी पति को भरण-पोषण देने का निर्देश नहीं दिया जा सकता। हालांकि कोर्ट ने कहा कि भिखारी ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत दो शादियां की हैं। इसलिए राज्य सरकार इसमें दखल दे और पत्नियों की मदद करे।

अगर दाम नहीं घटाए तो दुकानदार पर होगा ऐक्शन

● जीएसटी विभाग के अफसर बाजारों में औचक निरीक्षण करेंगे ● सोमवार नवरात्रि से लागू होंगे नए दाम

मुंबई (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 22 सितंबर से जीएसटी दरों में कटौती का ऐलान किया है। ऐसे में, दाम कम हुए या नहीं, इसकी भी सख्त निगरानी की जाएगी। सेंट्रल और स्टेट जीएसटी विभाग के फील्ड अफसर बाजार में अचानक निरीक्षण करेंगे। वे उन चीजों को खरीदेंगे, जिनके दाम घटाने की घोषणा की गई है। यदि पाया गया कि टैक्स कटौती के हिसाब से कीमतें नहीं घटाई गईं, तो दुकानदारों को मिलने वाला टैक्स क्रेडिट ब्लॉक किया जा सकता है। मतलब ये कि

व्यापारी अपने द्वारा खरीदी गई वस्तुओं या सेवाओं पर चुकाए गए जीएसटी को अपनी बिक्री पर लगने वाले टैक्स से समायोजित नहीं कर पाएगा। यानी उसे टैक्स के रूप में ज्यादा भुगतान करना पड़ेगा।

निगरानी के लिए हर शहर-कस्बे में सूची बनेगी,इसी से जांच करेंगे - सेंट्रल जीएसटी विभाग की ओर से भेजे गए नोटिस के अनुसार, जिनके दाम घटाए गए हैं, ऐसी 54 चीजों की एक सूची बनाई गई है। एक तरह की चीजों को सूची में एक ही जगह रखा गया है। जैसे सभी तरह के सूखे मेवे एक साथ रखे गए हैं। इसी तरह सभी तरह की स्टेशनरी बुक्स एक ही जगह रखी गई हैं। विचार यह है कि ये वस्तुएं एक ही जगह पर मिल जाएंगी। किचन के सारे बर्तन, प्रसाधन और घरेलू कामकाज की वस्तुएं एक ही जगह रखी गई हैं।

सऊदी अरब को परमाणु हथियार देगा पाकिस्तान

● रक्षा मंत्री बोले-भारत से जंग हुई तो सऊदी साथ देगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान अपने न्यूक्लियर हथियार सऊदी अरब के साथ शेयर करेगा। दोनों देशों के बीच बुधवार को एक रक्षा समझौता हुआ था, जिसके तहत अगर किसी एक देश पर हमला होता है, तो इसे दोनों पर हमला

माना जाएगा। आसिफ ने पाकिस्तानी न्यूज जियो टीवी को दिए साक्षात्कार में कहा, हमारी परमाणु क्षमता पहले से अच्छी है। यह समझौता दोनों देशों को एक-दूसरे की रक्षा करने का वादा करता है। हमारे पास युद्ध के लिए ट्रेंड सेनाएं हैं। हमारे पास जो क्षमताएं हैं, वे इस समझौते के तहत निश्चित रूप से उपलब्ध होंगी।

बिहार चुनाव में मुश्किल में फंसे तेजस्वी यादव

● परिवार के अंदर फिर से सुलगता दिख रहा है राजनीतिक झगड़ा ● संजय के चलते पहले मीसा-तेज हुए दूर,अब रोहिणी भी 'नाराज'

पटना (एजेंसी)। सामाजिक न्याय के मसीहा और कभी देश की राजनीति में अव्वल रहने वाले आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव सत्ता के संघर्ष में एक-एक कर परिवार को बिखरते देख रहे हैं। पहले तेज प्रताप यादव विद्रोह की भेंट चढ़े और अब लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने नैतिक विरोध का एक नया दरवाजा ही खोल दिया है। ऐसे में तेजस्वी यादव का राज्यारोहण की उम्मीद कर रहे राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव या कि तेजस्वी यादव पहले एनडीए से लड़े या फिर घर परिवार के सदस्यों से। पारिवारिक संघर्ष के इस पड़ाव में न केवल लालू प्रसाद बल्कि तेजस्वी यादव के लिए भी परिवार को बचाए रखने के साथ साथ अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाना भी एक बड़ी चुनौती बन गई है। लालू प्रसाद यादव की बहुत ही प्यारी और भरोसे वाली बेटी रोहिणी आचार्य ने सांसद संजय यादव का

विरोध कर न केवल तेज प्रताप के साथ खड़ी हुई, बल्कि राजद के तमाम बड़े कार्यकर्ता जो संजय यादव के व्यवहार से नाराज हैं, उन्हें भी बल दिया। रोहिणी आचार्य का संवेदनात्मक अपील राजद की वर्तमान राजनीति पर सबसे बड़ा सवाल खड़ा कर गया है। रोहिणी की ओर से तेजस्वी की सीट पर संजय यादव के बैठे होने की तस्वीर को री-पोस्ट करने का मकसद कहीं न कहीं तेजस्वी यादव को यह बताना रहा है कि पार्टी को हाइजैक करने की कोशिश शुरू हो चुकी है। रोहिणी के विरोध को सत्ता संघर्ष की तरफ न मोड दिया जाए इसके पहले ही रोहिणी ने साफ कर दिया कि जो कुर्बानी का जज्बा रखते हैं उनके लहू में बहती है।

तेज प्रताप ने पार्टी के जयचंद के विरुद्ध मोर्चा खोला

राजद सुप्रीमो लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने रोहिणी से पहले ही विरोध का परचम लहराया था। लेकिन तेज प्रताप ने सीधा सीधा संजय यादव का नाम नहीं लिया पर उन्हें जयचंद करार देकर छोटे भाई तेजस्वी यादव को सावधान भी किया। फिर तेज प्रताप ने आखिरी उम्मीद को ट्वीट में व्यक्त किया। इस ट्वीट में तेजस्वी यादव को केन्द्रित कर तेज प्रताप ने कहा कि मेरे अर्जुन से मुझे अलग करने का सपना देखने वालों, तुम कभी अपनी साजिशों में सफल नही हो सकोगे, कृष्ण की सेना तो तुम ले सकते हो, लेकिन खुद कृष्ण को नहीं। हर साजिश को जल्द बेनकाब करूंगा। बस मेरे भाई भरोसा रखना मैं हर परिस्थिति में तुम्हारे साथ हूं। फिलहाल दूर हूं। लेकिन मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ था और रहेगा। मेरे भाई मम्मी पापा का ख्याल रखना, जयचंद हर जगह है अंदर भी और बाहर भी। पर तेज प्रताप की यह अपील नक्कारखाने में तूती साबित हुई। अंतत : तेज प्रताप ने जनशक्ति जनता पार्टी बनाकर अपनी राजनीतिक सफर को जारी रखा। मीसा भारती ने तो तब संजय यादव का विरोध किया था जब तेजस्वी यादव के कहने पर संजय यादव को राज्यसभा भेजा गया। तब मीसा भारती का कहना था कि पार्टी के भीतर सामाजिक न्याय यात्रा के साथ कदम से कदम मिलाकर जो चले उन्हें भेजना चाहिए। तब यह सवाल भी उठा था कि संजय यादव न तो नेता थे और न ही बिहार से रहने वाले। एक आईटी सेल को देखने वालों को राज्यसभा भेजना एक मजबूत राजनीतिक निर्णय नहीं है। पारिवारिक विद्रोह की जो सूरत अभी दिखाई पड़ रही है वह तो अब एनडीए के लिए एक मुद्दा बन जाएगा कि जो परिवार न बचा सके वे देश और बिहार कैसे संभालेंगे। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की राजनीति में संजय यादव की बढ़ती पकड़ और एक-एक कर दरकिनार होते राजद के वरीय नेता यानी अब्दुल बारी सिद्दीकी, रामचंद्र पूर्व, शिवानंद तिवारी जैसे नेताओं के हाशिए पर आना राजद के भीतरी लोकतंत्र के लिए खतरा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सऊदी अरब- पाकिस्तान रक्षा समझौता- इस्लामिक नाटो की नींव या नया भू- राजनीतिक संतुलन?

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं)

वैश्विक स्तरपर पाकिस्तान और सऊदी अरब ने बुधवार को रियाद में ऐतिहासिक रक्षा समझौता किया है। इसके तहत किसी एक देश के खिलाफ किसी भी आक्रमण को दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। पाकिस्तान और सऊदी के इस समझौते में कुछ और देशों के आने की चर्चा है।जियो न्यूज में पाक रक्षामंत्री से पूछा गया कि क्या दूसरे अरब देश भी इस समझौता का हिस्सा बन सकते हैं। इसपर उन्होंने कहा कि मैं इसका जवाब समय से पहले नहीं दे सकता लेकिन मैं यह जरूर है कि दरवाजे खुले हैं।सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रक्षा समझौता केवल द्विपक्षीय सहयोग की औपचारिकता नहीं, बल्कि मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया की भू- राजनीतिक दिशा बदलने वाला एक ऐतिहासिक कदम हो सकता है। यह समझौता इस्लामिक वर्ल्ड में एक प्रकार के सामूहिक सुरक्षा ढांचे की कल्पना को जन्म देता है,जिसे कई विश्लेषक 'इस्लामिक नाटो' की शुरुआत मान रहे हैं।समझौते के तहत यह प्रावधान किया गया है कि किसी एक देश पर हमला पूरे समझौता ढांचे पर हमला माना जाएगा। इस प्रकार यह सुरक्षा गारंटी दोनों देशों के रिश्ते को रणनीतिक साझेदारी में बदलती है।मुस्लिम देशों के बीच लंबे समय से यह बहस चल रही है कि क्या उन्हें भी यूरोप की तरह सामूहिक रक्षा तंत्र अपनाना चाहिए। ओआईसी (आर्गेनाइजेशन ऑफ़ इस्लामिक कोआपरेशन) में इस पर कई बार चर्चा हुई, लेकिन ठोस कदम कभी नहीं उठाए गए।अब सऊदी-पाक रक्षा समझौते ने इस विचार को वास्तविकता के करीब ला दिया है।पाकिस्तान, जो कि इस्लामिक वर्ल्ड की अकेली परमाणु शक्ति है,और सऊदी अरब,जो कि आर्थिक और धार्मिक नेतृत्व रखता है, का एक होना मुस्लिम दुनियाँ के लिए आत्मविश्वास का प्रतीक है। यह संदेश भी दिया गया है कि मुस्लिम राष्ट्रों को मिलकर अपनी सुरक्षा व्यवस्था खड़ी करना एक मौलिक अधिकार है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि भारत, सऊदी अरब अमीरात व खाड़ी देशों के साथ प्रगाढ़या संबंधों को बनाए रखने के लिए विदेश नीति को और मजबूत बनाने की ज़रूरत है। यह पूरी जानकारी मीडिया से उठाई गई है जो पिछले दो दिनों से सभी चैनलों और सोशल मीडिया पर चल रहा है।

साथियों बात अगर हम यह समझौता भारत के लिए चुनौती या अवसर? की करें तो भारत इस समझौते को मिश्रित भाव से देख रहा है।एक ओर,भारत और सऊदी अरब के संबंध बेहद मज़बूत हैं,ऊर्जा आपूर्ति, प्रवासी भारतीयों की भूमिका और जी20 सहयोग से लेकर निवेश तक।

दूसरी ओर, पाकिस्तान भारत का कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। यदि सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ रक्षा गारंटी समझौते में शामिल होता है, तो भारत को आशंका होगी कि कहीं भविष्य में इस्लामिक रक्षा तंत्र भारत के खिलाफ इस्तेमाल न हो।खासकर कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान को हमेशा इस्लामिक देशों से राजनीतिक समर्थन मिलता रहा है। हालांकि सऊदी अरब ने हाल के वर्षों में संतुलित रुख अपनाया है, परंतु भारत के रणनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह डील भारत की विदेश नीति के लिए नई चुनौती लेकर आएगी।भारत और सऊदी अरब के संबंध पिछले दशक में ऐतिहासिक ऊँचाई पर पहुंचे हैं। भारतीय पीएम और सऊदी क्राउन प्रिंस के बीच हुई साझेदारियों में ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल सहयोग और रक्षा उद्योग शामिल हैं। भारत सऊदी अरब के लिए एक भरोसेमंद आर्थिक पार्टनर है। हालांकि पाकिस्तान-सऊदी रक्षा डील भारत-सऊदी रिश्तों को पूरी तरह कमजोर नहीं करेगी, परंतु उसमें 'रणनीतिक अविश्वास' का तत्व ज़रूर जोड़ देगी। भारत यह देखना चाहेगा कि क्या यह समझौता केवल आतंकवाद और क्षेत्रीय खतरों से लड़ने के लिए है, या भविष्य में यह किसी विशेष देश (अप्रत्यक्ष रूप से भारत) के खिलाफ प्रयोग किया जा सकता है?

साथियों बात अगर हम इस रक्षा समझौते में अमेरिका की भूमिका पर सवाल पर विश्व की नजरों की करें तो, इस समझौते के समय और पृष्ठभूमि को देखते हुए यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या अमेरिका का इसमें कोई हाथ है। पिछले कुछ महीनों में अमेरिकी प्रतिनिधियों की कई मुलाकातें सऊदी और पाक नेतृत्व से हुई हैं। अमेरिका की रणनीति अक्सर यह रही है कि वह मध्य पूर्व में शक्ति संतुलन बनाए रखे। ईरान का बढ़ता प्रभाव, चीन-सऊदी नज़दीकियां, और पाकिस्तान की आर्थिक अस्थिरता को ध्यान में रखते हुए वॉशिंगटन शायद इस समझौते को अप्रत्यक्ष समर्थन दे रहा हो। अमेरिका का हित यह है कि सऊदी अरब उसके सुरक्षा तंत्र में बना रहे और पाकिस्तान उसके भू-राजनीतिक समीकरण से पूरी तरह चीन के पाले में न चला जाए। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिका का परोक्ष सहयोग या प्रोत्साहन इस समझौते के पीछे हो सकता है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक स्तर परइस्लामिक नाटो का विचार और संभावित प्रभाव की करें तो,यदि मुस्लिम राष्ट्र मिलकर एक सैन्य ढांचा खड़ा करते हैं तो यह सीधे-सीधे नाटो और यूरोपीय संघ जैसी व्यवस्था की झलक देगा। पहले भी 'इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्मकोएलिशन' (आईएमसीटीसी) नाम से 34 मुस्लिम देशों का गठबंधन बना था, लेकिन वह सक्रिय नहीं रह सका। इस बार पाकिस्तान और सऊदी की जोड़ी इसे नई ऊर्जा दे सकती है। यदि यह ढांचा मज़बूत हुआ तो यह पश्चिम एशिया और दक्षिण एशिया की सुरक्षा संरचना बदल देगा। ईरान, तुर्की, कतर और मिस्र की भूमिका इसमें निर्णायक होगी। यूरोप और अमेरिका के लिए यह चुनौती होगी कि उनके सामने एक नया सुरक्षा ब्लॉक खड़ा हो जाए, जो ऊर्जा संसाधनों और सामरिक स्थिति की वजह से बहुत प्रभावशाली होगा।

साथियों बात अगर हम यूरोप और पश्चिम के लिए नई चुनौती वह चीन की प्रतिक्रियाकी करें तो यूरोपीय संघ और नाटो अब तक मुस्लिम दुनिया को अलग-अलग देशों के रूप में देखते रहे हैं। यदि इस्लामिक रक्षा ढांचा अस्तित्व में आता है, तो यूरोप के सामने एक संगठित सैन्य-राजनीतिक शक्ति खड़ी होगी। यह चुनौती खासकर ऊर्जा सुरक्षा, हथियार बाज़ार और क्षेत्रीय प्रभाव के लिए होगी। यूरोप और अमेरिका को अपने पारंपरिक 'सुरक्षा प्रदाता' की भूमिका पर पुनर्विचार करना पड़ेगा। साथ ही,यह भी संभव है कि इस्लामिक ब्लॉक रूस और चीन के साथ नए समीकरण बनाए, जिससे पश्चिम की भू-राजनीतिक पकड़ और कमजोर होगी।चीन और रूस की प्रतिक्रिया-चीन और रूस इस विकास को अपने हितों के अनुसार देखेंगे।

चीन पाकिस्तान का पारंपरिक साझेदार है और सऊदी अरब के साथ भी उसके गहरे आर्थिक रिश्ते हैं। यदि इस्लामिक सुरक्षा तंत्र बनता है तो चीन उसे आर्थिक और कूटनीतिक समर्थन दे सकता है ताकि अमेरिका का दबदबा कमजोर हो। रूस भी इसे पश्चिमी गठबंधनों के मुकाबले एक नया मंच मानकर ऊर्जा और हथियारों के सौदों के जरिए इसमें प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करेगा।साथियों बात अगर हम भारत की कूटनीतिक रणनीति की करें तो भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी कि वह सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों के साथ अपने रिश्तों को बनाए रखे। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि पाकिस्तान-सऊदी रक्षा समझौते का भारत-सऊदी साझेदारी पर नकारात्मक असर न पड़े। इसके लिए भारत को ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी भारतीयों के हित और निवेश संबंधों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। साथ ही, भारत को अमेरिका, यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे साझेदारों के साथ अपनी रणनीतिक समझ बढ़ानी होगी ताकि किसी संभावित 'इस्लामिक नाटो' के दबाव को संतुलित किया जा सके।

साथियों बात अगर हम क्षेत्रीय समीकरण- ईरान और तुर्की की भूमिका की करें तो,ईरान इस समझौते को संदेह की निगाह से देखेगा क्योंकि सऊदी अरब और पाकिस्तान दोनों ही ऐतिहासिक रूप से उसके प्रतिद्वंद्वी रहे हैं। तुर्की अपने 'इस्लामिक नेतृत्व' के दावे के चलते इसमें शामिल होने या न होने को लेकर दुविधा में रहेगा। यदि यह गठबंधन सुन्नी मुस्लिम देशों तक सीमित रहता है तो यह इस्लामिक वर्ल्ड में नई खाई भी पैदा कर सकता है। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे नया भू-राजनीतिक अध्याय, सऊदी अरब और पाकिस्तान का यह रक्षा समझौता न केवल दोनों देशों के लिए बल्कि पूरे मुस्लिम वर्ल्ड, दक्षिण एशिया और वैश्विक शक्ति संतुलन के लिए दूरगामी प्रभाव डालेगा। यह इस्लामिक नाटो जैसी संरचना की शुरुआत भी हो सकता है और साथ ही भारत जैसे देशों के लिए कूटनीतिक चुनौतियाँ भी पैदा करेगा।अंतरराष्ट्रीय राजनीति में यह कदम एक नए अध्याय की तरह है, जिसका असर आने वाले दशकों तक महसूस किया जाएगा।

(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

ड्रोन और ड्रग्स

यह अच्छी बात है कि केंद्र की राजग सरकार ने वर्ष 2047 तक भारत को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। राज्य सरकारों ने भी प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प को भरपूर समर्थन का वायदा किया है। हालांकि, यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य तब तक हासिल नहीं किया जा सकता है, जब तक कि अंतर्राष्ट्रीय साजिश से नशे के संकट को झेल रहे राज्यों में सबसे संवेदनशील पंजाब के हालात पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है। पंजाब में सीमा पार से चलाये जा रहे नशे के कारोबार की साजिश से पंजाब किस हद तक त्रस्त है, इस सप्ताह की शुरुआत में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी की 2024 की रिपोर्ट से वह भयावह तसवीर उभरती है। एनसीबी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले चार वर्षों में पाकिस्तान से इस सीमावर्ती राज्य में आये ड्रग्स से लदे ड्रोनों के देखे जाने और बरामद होने की घटनाओं में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि देखी गई है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने चिंता जतायी है कि सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी के लिये ड्रोन का इस्तेमाल भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिये भी एक बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है। इन हालात को देखकर कानून प्रवर्तन और सीमा सुरक्षा एजेंसियों के हाथ-पांव फूल रहे हैं। दरअसल, चिंता की बात यह है कि ड्रग तस्करी करने वाले गिरोह जोखिम भरे पारंपरिक जमीनी तरीके अपनाने के बजाय हवाई मार्ग से तस्करी को अंजाम दे रहे हैं। यह स्थिति कितनी विकट है नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा पेश आंकड़ों से यह पता चलती है। एनसीबी के अनुसार पिछले साल भारत-पाकिस्तान सीमा पर ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थों की तस्करी के 179 मामले दर्ज किए गए, जिसमें सबसे अधिक 163 मामले पंजाब में थे। उसके बाद राजस्थान में पंद्रह और जम्मू-कश्मीर में एक मामला सामने आया। इससे इस बात में कोई संदेह नहीं रह जाता कि बरामदगी की बहुत ज्यादा घटनाओं के बावजूद पंजाब सीमा पार के नशे तस्करों के लिये सबसे अच्छा विकल्प बना हुआ है। नशा तस्करों के खतरनाक मंसूबे देखिए कि हाल में पंजाब में बाढ़ के दौरान नशा तस्कर आपदा में अवसर तलाशते रहे। इन आपराधिक तत्वों ने हाल में आई बाढ़ का फायदा उठाकर नावों और टायर-ट्यूबों के जरिये भारत में नशीले पदार्थों की तस्करी की है। इसके साथ यह भी चिंताजनक स्थिति है कि विदेशी गैंगस्टर नशीले पदार्थों के देश के तस्करों और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर इस संकट को बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जो पंजाब के लोगों के लिये जानलेवा साबित हो रहा है। राज्य में, देश में पकड़ी गई हेरोइन का 45 फीसदी बरामद होना पंजाब की नशे की दलदल की गहराई को दर्शाता है। वहीं राज्य में पिछले साल 2.9 करोड़ नशे की गोलियां बरामद होना बताता है कि नशे का संकट कितना भयावह हो चला है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश में 51 लाख नशे की गोलियां बरामद की गई। पहले व दूसरे नंबर का अंतर भी स्थिति की विकटता को ही दर्शाता है। विडंबना यह है कि राज्य के ग्रामीण इलाकों के युवा हेरोइन और कोकीन के तस्करों के लिये आसान निशाना बन रहे हैं। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने कुछ महीने पहले सही ही कहा था कि नशीले पदार्थों का संकट अब केवल व्यक्तिगत लत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने सार्वजनिक व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून के शासन के लिये खतरा पैदा करना शुरू कर दिया है। निस्संदेह, पंजाब सरकार के 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान को केंद्र सरकार की नशा मुक्त पहल के साथ जोड़ कर चलाया जाना चाहिए। यह स्पष्ट है कि पंजाब में आने वाली नशीली दवाओं की आपूर्ति अब अन्य राज्यों में भी की जा रही है।

अल्जाइमर- जब यादें खोने लगती हैं

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(विश्व अल्जाइमर दिवस 21 सितंबर)

अल्जाइमर एक न्यूरोलॉजिक डिसऑर्डर है, जिसमें दिमाग की कोशिकाएं सिकुड़ने लगती हैं। जिसकी वजह से याद्दाश्त कमजोर होने लगती हैं। जिसे आम भाषा में भूलने की बीमारी भी कहा जाता है। आज विश्व अल्जाइमर दिवस है, जो पूरे विश्व में मनाया जाने वाला दिवस है। अल्जाइमर रोग का सबसे समान्य रूप डिमेंशिया है। यह निरंतर प्रगतिशील होने वाला मस्तिष्क का रोग है 21 सितंबर को यह दिवस अल्जाइमर रोग और डिमेंशिया के बारे में जागरूकता प्रसारित करने के लिए मनाया जाता है। इसका प्रमुख उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है, वैसे भी बीमारियों से लड़ने के लिए जागरुकता की आवश्यकता होती है

हम कल्पना करें कि कोई व्यक्ति सब कुछ भूल जाए, उसे कुछ याद ही न रहे। जाहिर है, ऐसे में ज़िन्दगी कठिन हो जाती है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि बढ़ती उम्र के साथ लोगों में भूलने की आदत आम हो जाती है। ऐसे में लोगों को कुछ भी याद नहीं रहता है, किसी को पहचानने में भी मुश्किल होती है, तो कई बार ऐसा होता है कि बुजुर्ग यदि टहल कर भी आते हैं तो उनको अपना घर पहचानने में दिक्क़त होती है। समझना मुश्किल नहीं है कि ऐसे में पीड़ित व्यक्ति की मन- स्थिति पर क्या असर पड़ता होगा। मन किस कदर जद्दोजहद करता होगा? इन सारी परेशानियों को हम बहुत ही हल्के में लेते हैं और सोचते हैं कि बढ़ती उम्र के साथ ऐसा होता ही है, परन्तु हकीकत यह है कि यह अल्जाइमर नाम की बीमारी है, जिसमें लोग सब कुछ भूलने लगते हैं। 1906 में जर्मन के न्यूरोलॉजिस्ट एलोइस अल्जाइमर ने इस बीमारी का पता लगाया था और इन्हीं के नाम पर इस बीमारी को 'अल्जाइमर कहा जाता है। दुनिया भर में लोगों को इस भूलने वाली बीमारी 'अल्जाइमर' के बारे में जागरूकता फ़ैलाने के मक़सद से प्रत्येक साल 21 सितंबर को विश्व अल्जाइमर दिवस मनाया जाता है। स्मरण शक्ति कमज़ोर करने वाली यह बीमारी ज्यादातर बुजुर्गों को होती है, लेकिन कई बार इसके लक्षण युवाओं में भी पाये जाते हैं, इसलिए जागरूकता और इसका उचित इलाज बेहद आवश्यक है। हालाँकि, इस बीमारी के लिए कोई प्रॉपर इलाज अब तक विकसित नहीं किया जा सका है, लेकिन इसके लिए सावधानियां और व्यायाम ज़रूर हैं, जो इस बीमारी में काफ़ी हद तक सहायक साबित होते हैं।

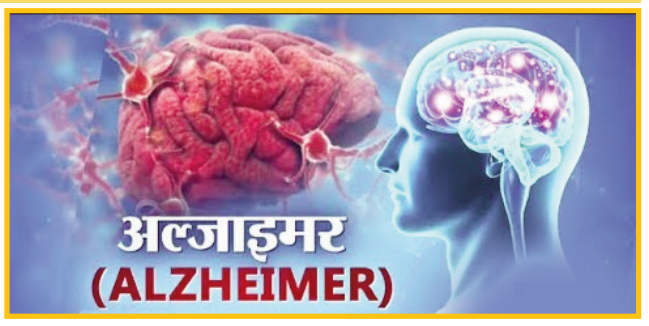

अल्जाइमर रोग का सबसे समान्य रूप डिमेंशिया है। यह निरंतर प्रगतिशील होने वाला मस्तिष्क का रोग है, जिसके परिणामस्वरूप याददाश्त और सोचने की क्षमता में कमी होती है। यह मस्तिष्क की कोशिकाओं को नष्ट कर देता है, जिसके कारण याददाश्त में कमी और परिवर्तन, अनियमित व्यवहार तथा शरीर की प्रक्रियाओं को नुकसान पहुंचता है। सामान्य शब्दों में, अल्जाइमर सामान्य की तुलना में अधिकांशत- याददाश्त विकार वाला रोग है। अल्जाइमर से पीड़ित रोगी अक्सर लोगों के नाम, जैसे- कि पुराने दोस्तों, पता, यहाँ तक कि सड़कों तथा अन्य वस्तुओं के नाम भी भूल जाते हैं। यह रोग ज्यादातर बुजुर्ग लोगों को प्रभावित करता है। आज भारत में बुजुर्ग लोगों की आबादी बढ़ रहीं है। इस रोग के सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। इस बीमारी का कारण मस्तिष्क में प्रकट होने वाली कुछ जटिल घटनाएँ हैं। अल्जाइमर रोग का कोई उपचार उपलब्ध नहीं है। पीड़ित रोगी का प्रभावी ढंग से उपचार करने हेतु रोग की जल्दी जानकारी प्राप्त होने द्वारा लाभ मिलता है। उपचार के तौर-तरीकों में औषधीय, मनोवैज्ञानिक और देखभाल करने के तमाम पहलू शामिल हैं। इस बीमारी के उपचार में पारिवारिक और सामाजिक समर्थन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अल्जाइमर बीमारी का सबसे समान्य रूप डिमेंशिया है। याददाश्त में कमी, जो कि दैनिक जीवन को बाधित करती है। योजना या समस्याओं को सुलझाने में चुनौतियाँ। घर - ऑफिस में कई बार जानी हुई वस्तुओं को भूल जाना। समय या स्थान को लेकर भ्रम होना। शब्दों को बोलने या लिखने में नई तरह की समस्या होना। बार - बार अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न होना। हरबार चीजें रखकर भूलना सामाजिक कटाव होना। मन एवं सोच में भारी अन्तर जैसे तरह तरह के बदलाव शरीर में उभरते हैं जिससे ज़िन्दगी दुश्वार हो जाती है। अल्जाइमर से बचने के लिए खुद को व्यस्त रखना चाहिए, योग, व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। अपनी रुचिप्रद कार्यों में खुद को संलग्न रखना चाहिए। घर के अंदर खेले जाने वाले खेलों में भाग लेना चाहिए। थोड़ा टहलना चाहिए।

पाप कर्म का फल हानिकारक है

कहहिं कबीर यह कलि है खोटी। जो रहे करवा सो निकरै टोटी।।
एक छोटा सा पहाड़ी गांव था। ग्राम के सभी लोग शराब व मांस का सेवन करते थे। जो शराब नहीं पीता था, जो मांस नहीं खाता था उसे ग्राम सजा के रूप में ग्राम बाहर कर देते थे। उसी ग्राम का एक आदमी अपने संबंधी के गांव गया। ग्राम में संतजन आए हुए थे। अतर् अपने समधी के साथ सत्संग में चला गया। उपदेश का जादू ऐसा कर गया कि वह तत्काल प्रभाव से शराब व मांस सेवन छोड़ दिया। गांव वापस आने पर पूरा परिवार इस र्दुव्यसन को छोड़ दिए। यह तथ्य ग्राम में फैल गई। बैठक हुई और उसे गांव बहिरा की सजा दे दी गई गांव वाले उस परिवार से कटने लगे। नाई, धोबी, नौकर आदि सब ने उसके यहां काम करना बंद कर दिया। कुछ दिन उसे जीवनयापन में अड़चन हुई परंतु धीरे-धीरे सब सामान्य हो गया। गांव के और लोग उनसे प्रभावित होकर शराब मांस छोड़ दिए। साहेब कहते हैं कि, हे अभागा मनुष्य! तुम्हें बुरे कार्य करने के लिए किसने सम्मानित किया है जो रात दिन चोरी, झूठ, नशापान, मांस खाने में आनंद मानते हो और विषयों में सुख का भ्रम पाल रहे हो आज कल में तेरा अंत हो जाएगा। जीवन भर अशुभ कार्य करते हुए इस उत्तम मानव शरीर का दुरुपयोग ही किए हो अतर् मृत्यु पश्चात तुम्हारा कहां निवास होगा इसका तुम्हें होश नहीं है। राम न रमसि कौन डंड लागा। राम भजन है शुभ कार्य। शुभ कार्य छोड़कर अशुभ काम में लिप्त रहने तुम्हें किसने दंडित या गांव बहिरा किया है? साहेब कहते हैं, पाप कर्म बहुत बुरी बात है। पाप कर्म का फल हानिकारक है, पाप कर्म काटने के लिए तीर्थ जाते हो। पूजा पाठ करते हो।

केश-मुंडन कराते हो। तंत्र-मंत्र तथा पाखंड युक्त कर्म करके मुक्त होना चाहते हो। ये सब तुम्हारा भ्रम है अपने अंदर की पशुत्व को मिटाना छोड़ पशुबलि पर मुक्ति पाने का भ्रम पालते हो। साहेब कहते हैं, जीवन में जिसकी कमाई होगी उसी का फल मिलेगा। मनुष्य जो कुछ जीवन भर करता है उन्हीं सबका संस्कार मन में इकट्ठे होकर भीतर जमा होते हैं। और उन्हीं का फल आज तथा आगे मिलते हैं यदि तुमने जीवन में अच्छे संस्कार की कमाई की है तो तुम्हारे जीवन में शांति बनी रहेगी। ड्रम को मांज धोकर स्वच्छ जल भरोगे तो ड्रम के नल से स्वच्छ जल ही निकलेगा। गंदा पानी भरने से गंदा पानी निकलेगा। तेल भरने से तेल व जहर भरने से जहर ही निकलेगा। हे अभागे मनुष्य तू अपना माना हुआ सब कुछ छोड़कर एक दिन यहां से चला जाएगा। धन-जन साथी सब छूटेंगे। परंतु राम नहीं छूटेगा और राम है तेरी चेतना तेरा अभिन्न स्वरूप अतर् सारी वासनाएं छोड़कर राम में लीन हो जा। वे कहते हैं।

राम न रमसि कौन डंड लागा।
मरि जबै का करिये अभागा।।

गिरगिट की तरह लगातार रंग बदल रहे हैं ट्रंप

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप अपने अप्रत्याशित और विवादित फैसलों के लिए अब दुनियाभर में जाने जा रहे हैं। वे कभी दोस्ताना हाथ बढ़ाते हैं तो कभी अचानक कठोर नीतियां थोपकर वैश्विक समुदाय को चौंका देते हैं। इस बार उनकी नज़र अमेरिका के सबसे लोकप्रिय और संवेदनशील वीज़ा प्रोग्राम एच-1बी वीज़ा पर पड़ी है। ट्रंप प्रशासन ने इसकी फीस 10 गुना से भी अधिक बढ़ाकर करीब 1 लाख डॉलर (88 लाख रुपये) कर दी है। यह कदम न केवल अमेरिकी कंपनियों और विदेशी प्रोफेशनल्स, बल्कि विशेष रूप से भारत के लिए गहरी चिंता का विषय है। यह पहली बार नहीं है जबकि ट्रंप ने यूटर्न लेकर सभी को चौंकाया हो, बल्कि इससे पहले भी उन्होंने टैरिफ को लेकर दुनियां का ध्यान खींच लिया था। इससे ट्रंप की कथनी और करनी से लोगों का भरोसा उठता चला जा रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह ट्रंप न सिर्फ बार-बार बयान बदल रहे हैं, बल्कि नीतियों में भी लगातार फेरबदल कर रंग बदलने जैसा काम कर रहे हैं। जहां तक एच-1बी वीज़ा से जुड़ा मामला है तो यह उन प्रोफेशनल्स के लिए लाइफलाइन माना जाता है, जो विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखते हैं। खासतौर पर भारत के लाखों युवाओं का सपना इसी वीज़ा के ज़रिए अमेरिका जाकर अपने करियर को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाना रहा है। अभी तक आवेदन पर 1 से 8 लाख रुपये तक का खर्च आता था, लेकिन ट्रंप की नई नीति ने इस 'अमेरिकन ड्रीम' को आम मध्यमवर्गीय भारतीय परिवार की पहुँच से बाहर कर दिया है। अब कंपनियों को भी विदेशी टैलेंट लाने से पहले कई बार सोचना पड़ेगा। इसमें शक नहीं कि भारत एच-1बी वीज़ा का सबसे बड़ा लाभार्थी रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 71 प्रतिशत एच-1बी वीज़ा भारतीयों के हिस्से में आते हैं। अब ट्रंप का फैसला परोक्ष रूप से भारत के लाखों तकनीकी पेशेवरों की संभावनाओं को सीमित करेगा। इस तरह ट्रंप द्वारा लिए जाने वाले ये फैसले चौंकाते इसलिए भी हैं क्योंकि वे कभी अमेरिका में टॉप टैलेंट को लाने की बात करते हैं और कभी उन्हीं दरवाज़ों को बंद कर देते हैं जिनसे यह टैलेंट आता है।

एक तरफ तो वे कहते हैं कि हमें बेहतरीन कामगार चाहिए, वहीं दूसरी ओर फीस इतनी बढ़ा देते हैं कि औसत प्रोफेशनल का वहां पहुँचना नामुमकिन हो जाए। वैसे तो इसे चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जाता है, क्योंकि ट्रंप बार-बार यह दोहराते आए हैं कि विदेशी अमेरिकी नौकरियां छीन रहे हैं। यह बयानबाजी स्थानीय कुछ मतदाताओं को भले लुभाए, लेकिन दीर्घकाल में अमेरिका की तकनीकी क्षमता और नवाचार पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। यही नहीं ट्रंप ने हाल ही में 'गोल्ड कार्ड' नामक नया कार्यक्रम भी शुरू किया है, जिसके तहत 10 से 20 लाख डॉलर की भारी-भरकम फीस देकर अमेरिका में स्थायी निवास का विकल्प मिलेगा। जाहिर है, यह नीति केवल अमीर और अत्याधिक संसाधन वाले लोगों के लिए है। जबकि ग्रीन कार्ड जैसे रोजगार-आधारित प्रोग्राम को वे लगभग अप्रासंगिक बता चुके हैं। इससे स्पष्ट हो जाता है कि ट्रंप की नीति आम मेहनती प्रवासियों के बजाय केवल सुपर-रिच वर्ग को आकर्षित करने पर केंद्रित है। भारतीय युवाओं के सामने अब दोहरी चुनौती खड़ी हो गई है। पहला, वीज़ा फीस का बोझ, और दूसरा, अमेरिकी ग्रीन कार्ड प्रक्रिया की लंबी प्रतीक्षा अवधि। ऐसे में उन्हें बार-बार महंगी फीस चुकाकर वीज़ा नवीनीकरण करना पड़ेगा। यह न सिर्फ उनकी जेब पर भारी पड़ेगा, बल्कि उनके करियर की स्थिरता को भी प्रभावित करेगा। कुल मिलाकर ट्रंप की नीतियां गिरगिट की तरह रंग बदलती नजर आती हैं, कभी वे विदेशियों को अवसर देने की बात करते हैं, तो कभी उन्हीं के लिए दरवाज़े बंद कर देते हैं। एक तरफ भारत को करीबी दोस्त कहते हैं तो दूसरी तरफ उसी के लिए मुसीबतें खड़ी करते दिखते हैं। एच-1बी वीज़ा फीस में अचानक बढ़ोतरी इसी अस्थिर नीति का हिस्सा है। भारत जैसे देशों के लिए यह निश्चित ही बड़ा झटका है, क्योंकि आईटी सेक्टर में करोड़ों नौकरियां परोक्ष रूप से अमेरिका की मांग पर निर्भर करती हैं। हालांकि, यह भी सच है कि वैश्विक परिदृश्य बदल रहा है। भारत को अब केवल अमेरिकी बाज़ार पर निर्भर रहने के बजाय यूरोप, मध्य-पूर्व और एशिया-प्रशांत क्षेत्रों में भी अपने तकनीकी कौशल के नए अवसर तलाशने होंगे। अगर हम केवल ट्रंप जैसे नेताओं के बदलते रंगों पर निर्भर रहेंगे, तो 'भारतीय ड्रीम' भी कहीं खो न जाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरकार 22 सितंबर से करेगी बाजारों की निगरानी

- दाम न घटाने पर व्यापारियों पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली केंद्र सरकार ने 22 सितंबर से 54 वस्तुओं पर जीएटी दरों में कटौती का ऐलान किया है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को सीधा लाभ पहुंचाना है। इन वस्तुओं में सूखे मेवे, किचन के बर्तन, प्रसाधन सामग्री और घरेलू उपयोग की अन्य वस्तुएं शामिल हैं। सरकार चाहती है कि इन वस्तुओं के दाम टैक्स कटौती के अनुसार घटें। इसकी निगरानी के लिए केंद्रीय और राज्य जीएटी विभागों के फील्ड अधिकारी बाजारों में औपचारिक निरीक्षण करेंगे। अधिकारी उन वस्तुओं को खुद खरीदेंगे, जिनके दाम में कटौती की गई है। यदि पाया गया कि दुकानदारों ने टैक्स में कमी के बावजूद कीमतें नहीं घटाईं, तो उनके इनपुट टैक्स क्रेडिट को ब्लॉक कर दिया जाएगा। इसका मतलब है कि व्यापारी अपनी खरीद पर चुकाए गए टैक्स का फायदा नहीं उठा सकेंगे, जिससे उनकी कर देनदारी बढ़ जाएगी। जीएटी विभाग ने उन 54 वस्तुओं की एक सूची तैयार की है, जिन पर यह कटौती लागू होगी। सामानों को श्रेणियों में बांट कर एक जगह सूचीबद्ध किया गया है, ताकि निगरानी में आसानी हो। अधिकारियों को पहले पुराने दाम दर्ज करने और फिर 22 सितंबर के बाद नए दामों की तुलना करने के निर्देश दिए गए हैं। हर शहर और कस्बे में स्थानीय स्तर पर यह सूची बनेगी। यदि किसी दुकान पर कीमतों में अपेक्षित कटौती नहीं हुई, तो विभाग कड़ी कार्रवाई करेगा। सरकार का उद्देश्य है कि टैक्स कटौती का लाभ आम जनता को पूरी तरह मिले।

ब्लू टाइड्स सम्मेलन में केरल को 7,288 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले

तिरुवनंतपुरम केरल में आयोजित दो दिवसीय 'ब्लू टाइड्स' सम्मेलन में राज्य को 7,288 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। यह जानकारी राज्य के मत्स्य पालन मंत्री साजी चेरियन ने सम्मेलन के समापन सत्र में दी। उन्होंने बताया कि 28 निवेशकों ने रुचि पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जो राज्य के समुद्री और मत्स्य क्षेत्र में संभावनाओं को दर्शाता है। सम्मेलन में भारत सरकार और यूरोपीय संघ (ईयू) प्रमुख भागीदार रहे। ईयू ने राज्य सरकार को सुझाव दिया कि वह यूरोपीय देशों के साथ सतत संवाद के लिए एक स्थायी मंच स्थापित करे। भारत में ईयू के राजदूत हेर्वे डेल्फिन ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से इस संदर्भ में बातचीत की। मंत्री चेरियन ने कहा कि सम्मेलन के परिणाम अपेक्षाओं से कहीं अधिक सकारात्मक रहे हैं और इसने देशभर में एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है।

डॉलर-रुपए से आगे अन्य मुद्राओं में भी व्यापार की सुविधाएं बढ़ाए सीसीआईएलः आरबीआई गवर्नर

मुंबई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीसीआईएल) से आग्रह किया कि वह रुपये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाए। सीसीआईएल की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर-रुपया के अलावा अन्य मुद्राओं में भी व्यापार और निपटान को संभव बनाने के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करने आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल हो सकती है, जिससे वैश्विक लेनदेन में भारत की भूमिका बढ़ेगी। इसके साथ ही, उन्होंने सीसीआईएल से खुदरा निवेशकों लिए विदेशी मुद्रा और सरकारी प्रतिभूतियों के क्षेत्र में अपनी सेवाओं का विस्तार करने की भी अपील की। वर्तमान में इस मंच पर लगभग तीन लाख खुदरा निवेशक पंजीकृत हैं। गवर्नर मल्होत्रा ने सीसीआईएल से तकनीकी नवाचारों को अपनाने, दक्षता बढ़ाने, सुरक्षा मजबूत करने और लागत कम करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संस्था को एआई, ब्लॉकचेन और अन्य उभरती तकनीकों का उपयोग करना चाहिए ताकि सेवा की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

50 लाख सरकारी कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनभोगियों को गुड न्यूज दे सकती मोदी सरकार

नई दिल्ली

मोदी सरकार दिवाली से पहले केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए एक खास तोहफा देने वाली है। खबर है कि जुलाई 2025 के महंगाई भत्ते (डीए) में बढ़ोतरी का ऐलान हो सकता है। फिलहाल 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलता है, लेकिन अब 3 प्रतिशत बढ़ाकर 58 प्रतिशत तक पहुंचाने पर विचार चल रहा है। इस बढ़ोतरी के बाद देशभर में करीब 50 लाख सरकारी कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनभोगियों को मोटी रकम मिलेगी। केंद्र सरकार साल में दो बार महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी करती है- जनवरी और जुलाई में। जनवरी 2025 की बढ़ोतरी पहले ही लागू हो चुकी है, जबकि जुलाई की बढ़ोतरी दिवाली के आसपास होने की उम्मीद है।

मोदी सरकार के इस फैसले के पीछे प्रमुख वजह है 8वें वेतन आयोग की तैयारी। अभी तक सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू हैं, लेकिन महंगाई की वर्तमान स्थिति को देखकर 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को तय माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में महंगाई में नरमी आई है, इसलिए इस स्तर की बढ़ोतरी संभव है।

महंगाई भत्ता का निर्धारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) के आधार पर किया जाता है। यदि पिछले छह महीनों में महंगाई में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है, तब इसी अनुपात में डीए में इजाफा होता है। इसी तरह, जुलाई 2025 के लिए महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का अनुमान है।

एएमडी भारत में चिप डिजाइन और सॉफ्टवेयर कंपनियों में करेगी निवेश

नई दिल्ली

अमेरिका की प्रमुख तकनीकी कंपनी एएमडी, जिसका मुख्यालय सांता क्लारा में है, भारत में चिप डिजाइन और सॉफ्टवेयर कंपनियों में निवेश या अधिग्रहण के लिए सक्रिय हो गई है। एएमडी के भारत के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि देश में तकनीकी प्रतिभा की कमी नहीं है और यदि कोई अच्छा मौका मिलता है तो कंपनी निवेश या अधिग्रहण करने से पीछे नहीं हटेगी। एएमडी हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग हार्डवेयर के डिजाइनिंग क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी है और भारत में भी इसके विस्तार की योजना बना रही है। एएमडी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित पर्सनल कंप्यूटर (पीसी) के विकास और उत्पादन में एक प्रमुख खिलाड़ी है। अे धिकारी ने बताया कि भारत में एआई पीसी को अपनाने की प्रक्रिया अब शुरू हो चुकी है और अगले दो वर्षों में हर तीन में से एक पीसी एआई सक्षम होगा। इसके साथ ही एआई पीसी और पारंपरिक पीसी की कीमतों में पहले जो अंतर था, वह अब समाप्त हो गया है। कीमतों में गिरावट के कारण एआई पीसी मुख्यधारा में तेजी से प्रवेश कर रहे हैं।

यूएई की कंपनियां भारत में कई क्षेत्रों में निवेश करने को इच्छुकः गोयल

- भारत-यूएई उच्च स्तरीय कार्यबल की बैठक में रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर

दुबई वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की कंपनियां भारत में निवेश के नए अवसरों को लेकर उत्साहित हैं। यूएई विशेष रूप से बुनियादी ढांचा, डेटा सेंटर, बैंकिंग, स्टार्टअप और लॉजिस्टिक क्षेत्रों में गहरी रुचि दिखा रहा है। मंत्री गोयल ने यह जानकारी अबू धाबी में भारत-यूएई निवेश पर गठित उच्च-स्तरीय कार्यबल की 13वीं बैठक के दौरान दी। उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने आपसी सहयोग के नए लक्ष्य तय किए हैं और निवेश के स्तर को तेज़ी से बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। यूएई भारत को एक प्रमुख निवेश गंतव्य मानता है और अब उच्च तकनीकी क्षेत्रों में भी बड़ा निवेश कर रहा है। गोयल के अनुसार, भारत में हरित ऊर्जा, जहाज निर्माण, खुदरा और फार्मा जैसे क्षेत्रों में भी संयुक्त प्रयास की संभावनाएं प्रबल हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए भारत में अपने परिचालन का विस्तार करना एक आकर्षक अवसर बन गया है। इसके साथ ही, भारत और यूएई के बीच प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में भी गहरी साझेदारी की उम्मीद है। गोयल की यह दो दिवसीय यात्रा 19 सितंबर को समाप्त हुई। इस दौरान दोनों देशों ने निवेश सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता जताई।

वैश्विक तेल बाजार में गिरावट, ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के शेयर दबाव में

नई दिल्ली

वैश्विक तेल एवं गैस बाजार में मांग की धीमी गति और अधिक आपूर्ति के चलते गिरावट का रुख जारी है। अगस्त में ब्रेंट क्रूड की कीमत 67.4 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुई, जो मासिक आधार पर 3 फीसदी और वार्षिक आधार पर 14.6 फीसदी की कमी दर्शाती है। चीन में औद्योगिक मंदी, ओपेक प्लस की आपूर्ति बढ़ाने की योजना, और तेल भंडार में वृद्धि से कच्चे तेल के दाम 60 डॉलर से नीचे आने की संभावना बढ़ गई है। इसके अलावा, महामारी के बाद 'वर्क फ्रॉम होम' जैसे रुझानों ने तेल की मांग को संरचनात्मक रूप से प्रभावित किया है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने भी तेल की खपत घटाई है। भारत की प्रमुख अपस्ट्रीम कंपनियां ओएनजीसी और ऑयल इंडिया इस दबाव से अछूती नहीं हैं। पिछले 12 महीनों में इनके शेयर क्रमशः 18 फीसदी और 32 फीसदी नीचे आ चुके हैं।

निवेशकों में नीतिगत अनिश्चितता, जैसे प्रशासित मूल्य निर्धारण और विंडफॉल टैक्स, को लेकर चिंता है।

इसके साथ ही उत्पादन वृद्धि भी कमजोर रही है। हालांकि, दोनों कंपनियां अब नए विकास के दौर में प्रवेश कर रही हैं। ओएनजीसी को केजी बेसिन और अन्य परियोजनाओं से मदद मिलेगी, जबकि ऑयल इंडिया गैस पाइपलाइन विस्तार और नई क्षमता वृद्धि पर ध्यान केंद्रित कर रही है। सस्ते मूल्यांकन और बढ़ती उत्पादन संभावनाओं के कारण इन कंपनियों के शेयरों में निवेश के अवसर बन सकते हैं।

नीतिगत सुधार जैसे एपीएम गैस कीमतों में बदलाव और विंडफॉल टैक्स हटाने से रेटिंग में सुधार की उम्मीद है।

आईपीओ में म्युचुअल फंडों ने बीमा कंपनियों को पछाड़ा

नई दिल्ली

हाल की चार तिमाहियों में आईपीओ में म्युचुअल फंडों ने एंकर निवेशकों के रूप में 21,976 करोड़ रुपये का निवेश किया, जो बीमा कंपनियों के 5,216 करोड़ रुपये निवेश से लगभग चार गुना अधिक है। म्युचुअल फंडों को आईपीओ में एंकर कोटे का एक-तिहाई हिस्सा गारंटी से मिलता है, जिससे उनकी हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 31 जुलाई को एक प्रस्ताव जारी किया, जिसमें बीमा कंपनियों और पेंशन फंडों के लिए आईपीओ में अतिरिक्त 7 फीसदी आरक्षण बढ़ाने की बात कही गई है। इस प्रस्ताव के तहत एंकर आरक्षण को 40 फीसदी तक बढ़ाया जाएगा, ताकि बीमा कंपनियों की भागीदारी बढ़े और निवेशकों के आधार में विविधता आए। म्युचुअल फंडों का एक-तिहाई आरक्षण कायम रखा जाएगा, जिससे उनकी निवेश गहराई और स्थिरता बनी रहेगी। बीमा कंपनियों का आईपीओ निवेश 2019 में चार तिमाहियों का औसत 300 करोड़ रुपये से कम था, जो अब 5,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। वहीं, म्युचुअल फंडों का निवेश 1,000 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 20,000 करोड़ रुपये पहुंच चुका है। 2019 में 9 करोड़ निवेशक खातों की संख्या बढ़कर 2025 में 24 करोड़ से अधिक हो गई है। म्युचुअल फंडों के पास लगभग 48 लाख करोड़ रुपये की परिसंपत्ति है, जबकि बीमा कंपनियों के पास करीब 24 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है।

आरएंडआई ने भारत की दीर्घकालिक सरकारी साख रेटिंग को 'बीबीबी प्लस' किया

मुंबई

जापानी रेटिंग एजेंसी, रेटिंग एंड इंवेस्टमेंट इंफार्मेशन इंक (आरएंडआई) ने भारत की दीर्घकालिक सरकारी साख रेटिंग को 'बीबीबी' से बढ़ाकर 'बीबीबी प्लस' कर दिया है। यह रेटिंग, भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति और स्थिर भविष्य में ग्लोबल भरोसे को दिखाती है। यह इस साल तीसरी बार है जब किसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने भारत की रेटिंग को अपग्रेड किया है। इससे पहले, एसएंडपी ने अगस्त 2025 में और मॉर्निंगस्टार डीबीआरएस ने मई 2025 में भी भारत की रेटिंग बढ़ाई थी। यह दिखाता है कि वैश्विक स्तर पर भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और सरकार की वित्तीय नीतियों को मान्यता मिल रही है।आरएंडआई की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की रेटिंग में सुधार के प्रमुख कारण ये हैं- भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। भारत की बड़ी युवा आबादी देश की विकास क्षमता को बढ़ाती है। देश के भीतर वस्तुओं और सेवाओं की लगातार बढ़ती मांग आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दे रही है। कर राजस्व में बढ़ोतरी, सब्सिडी को तर्कसंगत बनाना और ऋण स्तरों को नियंत्रित करने में सरकार की प्रगति ने भारत की स्थिति को और मजबूत किया है।

कम विदेशी कर्ज और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार- इससे भारत की बाहरी स्थिरता बनी हुई है।रेटिंग अपग्रेड से आम लोगों को भी कई फायदे हो सकते हैं- विदेशी निवेश बढ़ने से नए प्रोजेक्ट और बिजनेस शुरू होंगे, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होना। रुपये की स्थिरता से आयातित सामान जैसे तेल और इलेक्ट्रॉनिक्स सस्ते हो सकते हैं। सरकार और कंपनियों के लिए कर्ज सस्ता होने से इसका असर होम लोन, ऑटो लोन और पर्सनल लोन की दरों पर भी दिख सकता है, जिससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

यह रेटिंग अपग्रेड भारत की वैश्विक साख को मजबूत करता है और निवेशकों के साथ-साथ आम लोगों के जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

नेपाल की अस्थिरता से नहीं डगमगाएगी आईटीसी की निवेश योजना

आईटीसी ने नेपाल में एफएमसीजी और होटल क्षेत्र में विस्तार की प्रतिबद्धता जताई

नई दिल्ली आईटीसी लिमिटेड के एक प्रमुख अे धिकारी ने स्पष्ट किया है कि नेपाल में हालिया अस्थिरता का कंपनी की निवेश योजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चाहे बात एफएमसीजी क्षेत्र की हो या आतिथ्य उद्योग की, आईटीसी नेपाल में अपने विस्तार की रणनीति पर कायम है। उन्होंने ने यह बात मर्चेंट्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एमसीसीआई) की 124वीं सालाना आम बैठक में कही। उन्होंने कहा` कि दुनिया में अनिश्चितता और अशांति का माहौल है, लेकिन हमें इससे निपटना सीखना होगा और आगे बढ़ना होगा, वरना प्रगति संभव नहीं है। आईटीसी की सहायक कंपनी सूर्या नेपाल1986 से सिगरेट कारोबार में है और बाजार में अग्रणी भूमिका निभा रही है। हाल के वर्षों में कंपनी ने कन्फेक्शनरी और बिस्कुट जैसे एफएमसीजी उत्पादों के जरिए नेपाल में अपने दायरे को और भी बढ़ाया है। कंपनी की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि वह नए एफएमसीजी व्यवसायों को तेजी से आगे बढ़ा रही है और उभरते बाजारों में नए अवसरों का मूल्यांकन कर रही है। आतिथ्य क्षेत्र में भी आईटीसी ने 2024 में नेपाल में एक होटल के प्रबंधन अनुबंध से शुरुआत की है, और जल्द ही दूसरा होटल भी इसी मॉडल के तहत शुरू किया जाएगा।

3 महीने में निवेशकों का पैसा दोगुना करने वाली कंपनी पहली बार दे रही बोनस

मुंबई

मल्टीबैगर स्टॉक सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स ने बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट का ऐलान कर दिया है। कंपनी ने इसकी जानकारी एक्सचेंज के साथ साझा की है। मात्र 3 महीने में निवेशकों का पैसा दोगुना करने वाली यह कंपनी पहली बार बोनस शेयर दे रही है। सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स ने एक्सचेंज को बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 2 भागों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 5 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी।कंपनी निवेशकों को बोनस शेयर भी दे रही है। कंपनी की ओर से एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया जाएगा। बता दें, बोनस शेयर 10 रुपये के फेस वैल्यू पर मिलेगा। अभी तक बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया गया है। लेकिन अगले 2 से 3 महीने में प्रोसेस पूरा होगा। शुक्रवार को सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के शेयरों में अपर सर्किट लगा है। 2 प्रतिशत की उछाल के बाद बीएसई में कंपनी के शेयरों का भाव 105.61 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है। बीते एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 54 प्रतिशत की तेजी आई है।वहीं, 3 महीने में स्टॉक का भाव 252 प्रतिशत चढ़ा है। वहीं, 6 महीने में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 315 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, एक साल में सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के शेयरों में 32 प्रतिशत की तेजी आई है। बता दें, कंपनी का 52 सप्ताह का शीर्ष 105.61 रुपये और 52 सप्ताह का लो लेवल 20.90 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 221.85 करोड़ रुपये का है। बीते 5 साल में सैम्प्रे न्यूट्रिशन्स लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 838 प्रतिशत की तेजी आई है। इस कंपनी में जून तिमाही के अंततक पब्लिक की हिस्सेदारी 87.89 प्रतिशत थी।

अर्टिगा ने एक बार फिर सभी को पीछे छोड़ दिया

नई दिल्ली

मारुति सुजुकी इंडिया कंपनी की 7-सीटर अर्टिगा ने एक बार फिर सभी को पीछे छोड़ दिया। मारुति सुजुकी इंडिया की अगस्त महीने की बिक्री रिपोर्ट जारी हो चुकी है। जारी रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त महीने में अर्टिगा की 18,445 यूनिट्स बिकीं और यह न सिर्फ मारुति बल्कि पूरे देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बन गई। खास बात यह है कि मारुति के पास 16 मॉडल लाइनअप में हैं, लेकिन अर्टिगा की लोकप्रियता ने बाकी सभी गाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। इसके साथ ही यह लगातार तीसरे महीने है जब अर्टिगा की बिक्री बढ़ती हुई दिखाई दी है। जुलाई में 16,604 और जून में 14,151 ग्राहकों ने अर्टिगा खरीदी थी। मारुति ने अगस्त में कुल 1,31,278 गाड़ियां बेचीं, जो जुलाई की 1,37,776 यूनिट्स से कम रहीं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बिक्री में यह गिरावट ग्राहकों द्वारा नए जीएसटी रेट्स का इंतजार करने के कारण देखने को मिली। कंपनी के लिए अगस्त में 8 मॉडल ऐसे रहे, जिनकी 10-10 हजार से ज्यादा यूनिट्स बिकीं। डिजायर ने 16,509, वैगनआर ने 14,552, ब्रेजा ने 13,620 और बलेनो ने 12,549 ग्राहकों को आकर्षित किया। वहीं, फ्रोंक्स की 12,422 और स्विफ्ट की 12,385 यूनिट्स बिकीं। ईको भी 10,785 यूनिट्स की बिक्री के साथ इस लिस्ट में शामिल रही। ग्रैंड विटारा की बिक्री घटकर 5,743 यूनिट्स रही, जबकि जुलाई में यह 6,373 रही थी।

ऑल्टो के10 की 5,520, एक्सएल6 की 2,973, इग्निस की 2,097 और सेलेरियो की 1,505 यूनिट्स बिकीं। एस-प्रेसो की 1,333, जिम्नी की 603 और इनविक्टो की सिर्फ 237 यूनिट्स बिकीं।

सियाज की हालत सबसे खराब रही और अगस्त में इसकी एक भी यूनिट नहीं बिकी, जबकि जुलाई में 173 और जून में 1,028 यूनिट्स बिकी थीं।

भारत का स्मार्टफोन बाजार 2025 की पहली छमाही में 2 प्रतिशत बढ़ाः रिपोर्ट

नई दिल्ली

भारत का स्मार्टफोन बाजार 2025 की पहली छमाही में वार्षिक आधार पर 2 प्रतिशत की दर से बढ़ा है और इस दौरान कुल 6 करोड़ यूनिट्स की शिपमेंट हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन (आईडीसी) द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, शिपमेंट में 35 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि के साथ एप्पल सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्रांड बना है। रिपोर्ट में बताया कि 50,000 रुपए से अधिक कीमत वाले प्रीमियम स्मार्टफोन ने ग्रोथ को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई, जबकि 10,000-20,000 रुपए का मिड-रेंज सेगमेंट कुल बिक्री के मामले में सबसे बड़ा रहा।रिपोर्ट के मुताबिक, क्षेत्रीय स्तर पर, उत्तरी राज्यों ने 33 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बाजार का नेतृत्व किया, जबकि दक्षिणी क्षेत्र में सबसे तेजी से वृद्धि हुई है।मैसूर और शिमला सहित छोटे टियर-4 शहरों में भी दो अंकों की मजबूत देखी गई, जो महानगरों और बड़े शहरों से परे बढ़ती मांग को दिखाता है। इस बीच, एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले त्यौहारी सीजन में भारत में प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़ सकती है। साथ ही मार्केट वैल्यू में 24 प्रतिशत का इजाफा देखने को मिल सकता है। प्रीमियम सेगमेंट, सुपर-प्रीमियम सेगमेंट (50,000-1,00,000 रुपए) के स्मार्टफोन का बाजार सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़ सकता है। वहीं, अपर-प्रीमियम सेगमेंट (1,00,000 रुपए और उससे अधिक) के स्मार्टफोन का बाजार सालाना आधार पर 167 प्रतिशत बढ़ सकता है। इसकी वजह फ्लैगशिप स्मार्टफोन की मांग का बढ़ना है। बाजार जानकार के अनुसार, प्रीमियम स्मार्टफोन बाजार सेगमेंट को महत्वाकांक्षी खरीदारों, जेनरेशन जी और मिलेनियल उपभोक्ताओं द्वारा अपनी विकसित होती डिजिटल जीवनशैली के अनुरूप पावरफुल डिवाइस की तलाश के कारण लगातार मजबूत समर्थन मिल रहा है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता जल्द, दोनों देशों ने तेज़ किए प्रयास

- नई दिल्ली में हुई सकारात्मक बातचीत, शुल्क विवाद के बाद रिश्तों में आई गर्माहट

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने के लिए प्रयास तेज करने पर सहमति जताई है। यह निर्णय दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों के बीच इस सप्ताह नई दिल्ली में हुई बैठक के बाद सामने आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि यह बातचीत अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच और भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल के बीच हुई। उन्होंने कहा कि चर्चा सकारात्मक और रचनात्मक रही। लिंच ने वाणिज्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की और विभिन्न व्यापारिक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। जायसवाल के अनुसार दोनों पक्षों ने व्यापार समझौते को शीघ्र निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता जताई है, ताकि यह दोनों देशों के हित में लाभकारी हो सके। गौरतलब है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्ते उस समय तनावपूर्ण हो गए थे जब अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था। भारत ने इस कदम की तीखी आलोचना करते हुए इसे अनुचित और असंगत बताया था।

हालांकि, हाल के वर्षों में दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व ने सहयोग की दिशा में कई सकारात्मक संकेत दिए हैं। नई वार्ताएं इस बात का संकेत हैं कि भारत और अमेरिका अब द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए गंभीर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्मृति मंधाना ने महिला वनडे में रचा इतिहास, विराट कोहली का 12 साल पुराना तोड़ा रिकॉर्ड

मुल्लांपुर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने वनडे क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में उन्होंने मात्र 50 गेंदों में शतक जड़कर भारत की ओर से सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस धमाकेदार पारी के साथ उन्होंने दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली का 12 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिन्होंने 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 52 गेंदों में शतक बनाया था। इतना ही नहीं, स्मृति अब महिला वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली दुनिया की दूसरी बल्लेबाज बन गई हैं।

स्मृति का तूफानी प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में स्मृति मंधाना ने 50 गेंदों में 14 चौके और 4 छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। हालांकि, वह अपनी पारी को ज्यादा आगे नहीं बढ़ा सकीं और 63 गेंदों में 17 चौके और 5 छक्कों के साथ 125 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इससे पहले, दूसरे वनडे में भी उन्होंने 91 गेंदों में 14 चौके और 4 छक्कों की मदद से 117 रनों की शानदार पारी खेली थी। उनकी इस फॉर्म ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को खासा परेशान किया।

महिला वनडे में दूसरा सबसे तेज शतक

स्मृति मंधाना ने इस तूफानी शतक के साथ महिला वनडे क्रिकेट में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इस सूची में शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग हैं, जिन्होंने 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 45 गेंदों में शतक बनाया था। तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी हैं, जिन्होंने इसी मैच में 57 गेंदों में शतक बनाया। स्मृति ने मूनी को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

2025 में स्मृति की शतकीय धमक

स्मृति मंधाना ने 2025 में वनडे क्रिकेट में अपना चौथा शतक पूरा किया। इससे पहले 2024 में भी उन्होंने चार शतक जड़े थे। एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा शतक बनाने के मामले में वह लगातार दो साल से शीर्ष पर हैं। इस साल साउथ अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स भी चार शतक बना चुकी हैं, लेकिन स्मृति की गति और निरंतरता उन्हें खास बनाती है।

भारत की नई रिकॉर्ड-ब्रेकर

स्मृति मंधाना की इस उपलब्धि ने न केवल भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों का दिल जीता, बल्कि वैश्विक स्तर पर उनकी तारीफ हो रही है। उनकी इस पारी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारत को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया है। यह उपलब्धि भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक पल है, जो स्मृति की प्रतिभा और समर्पण को दर्शाता है।

अर्शदीप सिंह बने टी20आई में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले गेंदबाज, इस पाकिस्तानी गेंदबाज को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अर्शदीप सिंह ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने ओमान के विनायक शुक्ला को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। मात्र तीन वर्षों में 100 विकेट हासिल करना भारत के लिए एक तेज गेंदबाज के रूप में उनके कौशल और दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

अर्शदीप टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के हारिस रऊफ का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। अर्शदीप ने यह कारनामा 64 मैचों में किया, जबकि रऊफ को 71 मैचों में यह कारनामा करना पड़ा था। यह अर्शदीप की निरंतरता और भारत के लिए नियमित रूप से विकेट लेने की क्षमता को दर्शाता है।

शीर्ष तेज गेंदबाजों को अर्शदीप ने पीछे छोड़ा

अर्शदीप ने सबसे कम समय में 100 विकेट पूरे करने के मामले में शाहीन अफरीदी, लसिथ मलिंगा, मुस्तफिजुर रहमान, टिम साउथी और क्रिस जॉर्डन जैसे कई मशहूर गेंदबाजों को पीछे छोड़ दिया। इससे पता चलता है कि अब वह दुनिया भर के टी20 क्रिकेट के शीर्ष तेज गेंदबाजों में से एक हैं।

अन्य तेज गेंदबाजों से तुलना

पूर्ण सदस्य टीमों के गेंदबाजों में केवल राशिद खान और वानिंदु हसरंगा ने ही अर्शदीप से कम मैच खेलकर 100 विकेट पूरे किए। राशिद ने 53 मैचों में और हसरंगा ने 63 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की। इस तरह अर्शदीप दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाजों से पीछे रह गए।

भारतीय गेंदबाज 100 विकेट के करीब

अर्शदीप के बाद हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह 100 विकेट के करीब हैं। पांड्या के नाम 96 और बुमराह के नाम 92 विकेट हैं। इन दोनों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के पास जल्द ही अर्शदीप के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का मौका है।

गौर है कि वर्तमान में अर्शदीप सिंह 100 विकेट लेकर किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का रिकॉर्ड रखते हैं। तेज गेंदबाजी में उनकी सफलता भारत की टी20 टीम के लिए एक उज्ज्वल बिंदु है, जो एशिया कप 2025 के निकट आते ही भारतीय क्रिकेट में नई प्रतिभाओं के उदय को दर्शाता है।

पूर्व भारतीय कप्तान ने गिल का किया समर्थन, कहा- वे पाकिस्तान खिलाफ मैच में रन बनाएंगे

स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान क्रिस श्रीकांत का मानना है कि शुभमन गिल 21 सितंबर को एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में बल्ले से अपनी फॉर्म वापस पा लेंगे। भारतीय उप कप्तान अब तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और महाद्वीपीय टूर्नामेंट के तीन मैचों में सिर्फ 35 रन ही बना पाए। श्रीकांत को लगता है कि 25 वर्षीय गिल पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले में रन बनाएंगे।

श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'शुभमन गिल का फॉर्म में वापस आना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच में रन बनाएंगे। वह भारतीय टेस्ट कप्तान हैं और भविष्य में सभी फॉर्मेट के कप्तान भी हो सकते हैं। अंदर आती गेंद उन्हें लगातार परेशान करती है क्योंकि वह जल्दी खेलते हैं। मेरा सुझाव है कि वह ज्यादा सीधी गेंदें खेलें। कवर ड्राइव की बजाय, उन्हें तब तक ऑफ ड्राइव ज्यादा खेलनी चाहिए जब तक वह जम न जाएं।'

श्रीकांत ने आगे कहा, 'उन्हें उप कप्तान बनाने का मतलब ही यह है कि उनका खेलना तय है। एशिया कप से पहले मेरी जो 15 सदस्यीय टीम थी, उसमें वह नहीं थे। दरअसल, ज्यादा लोगों को उम्मीद नहीं थी कि वह 15 सदस्यीय टीम में होंगे। लेकिन जब से उन्हें उप कप्तान बनाया गया है, भविष्य में वे उन्हें सभी फॉर्मेट का कप्तान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। क्योंकि उनका आईपीएल भी अच्छा रहा था।'

गौर है कि भारत ने अपने अंतिम ग्रुप चरण के मुकाबले में ओमान को हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय टीम ने ओमान को 21 रनों से हराकर अपनी अजेय बढ़त बरकरार रखी। अब वे इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के सुपर 4 चरण में पाकिस्तान से दूसरी बार भिड़ेंगे।

ओमान खिलाड़ियों ने की धुंआधार बल्लेबाजी, पांड्या ने कैच लेकर पलटा पासा

-कलीम ने 7 चौके और 2 छक्कों के साथ शानदार 64 रन बनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में टीम इंडिया को ओमान के खिलाफ एक ऐसा अनुभव हुआ जो पाकिस्तान और यूएई के खिलाफ नहीं हुआ था। हल्की मानी जा रही ओमान की टीम ने टीम इंडिया के खिलाफ उलटफेर कर दिया था लेकिन एक कैच से पासा पलट गया। भारत और ओमान के बीच एशिया कप 2025 के आखिरी ग्रुप स्टेज मैच का मुकाबला शुक्रवार को अबू धाबी में खेल गया था। भारत पहले ही पाकिस्तान और यूएई हो हराकर सुपर 4 स्टेज के लिए क्वालीफाई कर चुका था और ओमान को 21 रनों से हराकर अपनी जीत का सफर जारी रखा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओमान के खिलाफ मुकबले में भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अभिषेक शर्मा ने 15 गेंद में 38 रन बनाए जिसमें पांच चौके और दो छक्के लगाए। संजू सैमसन ने 56 रन बनाए जिसमें 3 चौके और 3 छक्के शामिल थे, जबकि हर्षित राणा ने 29 और अक्षर पटेल ने 26 रन बनाए जिससे भारत ने 8 विकेट पर 188 रन का स्कोर बनाया। ओमान के लिए शाह फैसल, जितेन रमणंदी और आमिर कलीम ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा ओमान टीम ने बड़ी दिलेरी से किया और एक वक्त सबकी सांसें थम सी गई थी जब ऐसा लगा कि वी जीत जाएगा क्योंकि मैच भारत के हाथ से निकलता जा रहा था। ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह ने ओपनिंग जोड़ीदार आमिर कलीम के साथ पहले विकेट के लिए 56 रन जोड़े। कलीम ने 7 चौके और 2 छक्कों के साथ शानदार 64 रन बनाए और हम्माद मिर्जा के साथ एक और अर्धशतकीय साझेदारी खेली, जिन्होंने 51 रन बनाए।

एक समय पर कलीम ने अपनी धुआंधार बल्लेबाजी से ओमान को उलटफेर करने के करीब पहुंचा दिया था। टीम को 14 बॉल पर 40 रन की जरूरत थी। कलीम 46 बॉल पर 7 चौके और 2 छक्के की मदद से 64 रन बनाकर खेल रहे थे। उनका कैच लेकर पांड्या ने ओमान की उम्मीद को चकनाचूर कर दिया। 18वें ओवर की चौथी गेंद पर कलीम ने हर्षित राणा की धीमी गेंद को स्वीप किया और गेंद छक्के के लिए जाती हुई लग रही थी, लेकिन पांड्या ने उस कैच पकड़ लिया और मैच का पासा ही पलट गया।

श्रीलंका के मेंडिस ने रोहित को छोड़ा पीछे, विराट का तोड़ सकते हैं रिकॉर्ड

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 में श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 74 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत श्रीलंका ने 6 विकेट से जीत दर्ज की और लीग स्टेज में अपने तीनों मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। मेंडिस ने इस पारी के साथ एक खास रिकॉर्ड भी बनाया है। वह एशिया कप टी20 फॉर्मेट में तीन बार 50 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाले चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पीछे कर दिया है, जिन्होंने इस टूर्नामेंट में केवल दो बार ही 50+ स्कोर किया है।

पूर्व स्पिनर बोला, रुट के लिए आसान नहीं रहेगी एशेज सीरीज

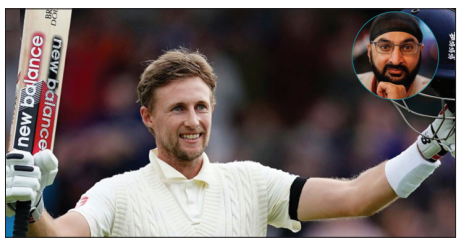

लंदन। भारतीय मूल के इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एशेज क्रिकेट सीरीज बल्लेबाज जो रुट के लिए आसान नहीं रहेगी। इसस सीरीज में रुट पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। पनेसर ने कहा है कि अगर इस दौर में रुट विफल रहते हैं तो उनके लिए टीम में अपनी जगह बचा पाना कठिन हो जाएगा। इंग्लैंड टीम को 21 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज खेलनी है। रूट का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया में में अच्छा नहीं रहा है। पनेसर ने कहा, ' रुट के लिए टीम में बने रहना इस बात पर निर्भर करता है कि अगला साल उनके लिए कैसा रहेगा, एशेज कैसी रहेगी, ऐसे में अगर रूट एशेज सीरीज में रन नहीं बना पाये तो उनके लिए भी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। यहीं नहीं इसमें हार पर इंग्लैंड टीम के कोच, कप्तान को भी अपना पद गंवाना पड़ सकता है। सीरीज खराब रहने पर लोग सवाल करने लगते हैं, क्या उनका बेस्ट निकल गया है? इसलिए जब आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं तो प्रदर्शन काफी मायने रखता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने अच्छे हैं, आपको ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा।' रूट टेस्ट क्रिकेट में 13453 रन बना चुके हैं, जिसमें 39 शतक शमिल हैं पर अभी तक वह ऑस्ट्रेलिया में कोई शतक नहीं लगा पाये हैं। पनेसर का मानना है कि एशेज सीरीज में रूट के लिए ऑस्ट्रेलिया की उछाल भरी सतहों पर शतक लगाना काफी कठिन होगा। उन्होंने कहा, यह उनके लिए बहुत मुश्किल होने वाला है क्योंकि उन्हें एक मजबूत ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी का सामना करना होगा और इस बार का गेंदबाजी आक्रमण पहले से भी खतरनाक है।

सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में, सिंधु चाइना मास्टर्स से बाहर

शेनझेन (एजेंसी)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने एक और शानदार सीधे गेमों में जीत के साथ ली-निंग चाइना मास्टर्स 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि एकल में पी वी सिंधु को महिला क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर हो जाना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चीन के रेन जियांग यू और झी हाओनान को 38 मिनट में 21-14, 21-14 से हराया जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु 23 वर्षीय कोरियाई खिलाड़ी एन से यंग से 38 मिनट में 14-21, 13-21 से हार गईं, जो पेरिस खेलों की स्वर्ण पदक विजेता से उनकी लगातार आठवीं हार है।

सिंधु ने अभी तक विश्व की नंबर एक खिलाड़ी कोरिया की एन से यंग के खिलाफ एक भी जीत दर्ज नहीं की है। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु का विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एन से यंग के खिलाफ खराब प्रदर्शन जारी रहा और शुक्रवार को उन्हें कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। सिंधु की शुरुआत खराब रही और वह 1-6 से पिछड़ रही थीं, लेकिन क्रॉस-कोर्ट पर एक नाजुक ड्रॉप के साथ स्कोर 5-9 हो गया। हालांकि, आन ने अपने विशिष्ट स्मैश का इस्तेमाल करते हुए अंतराल तक 11-5 की बढ़त बना ली।

सिंधु 11-14 के स्कोर पर बराबरी पर आ गईं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने अपनी पकड़ बनाए रखी और भारतीय खिलाड़ी के स्मैश को नेट में वापस भेजकर पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में, सिंधु 3-2 से आगे थीं, लेकिन आन के नियंत्रण में आने से पहले ही कुछ देर के लिए। भारतीय खिलाड़ी ने आक्रामक खेल से बढ़त बनाने की कोशिश की और 7-8 से पीछे थीं, लेकिन आन के बेहतरीन डिसीजन और विविधता ने उन्हें ब्रेक तक 11-7 से आगे कर दिया।

उन्होंने बढ़त को 14-7 तक पहुंचाया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। सिंधु ने कुछ बेहतरीन फ्रंट-कोर्ट ड्रॉप्स और राउंड-द-हेड स्मैश लगाकर कुछ अंक हासिल किए, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी हमेशा उनसे आगे रही। जब सिंधु ने फिर से गलती की, तो आन ने क्रॉस-कोर्ट स्मैश से आठ मैच पॉइंट हासिल किए और सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

शाहीन ने इस टूर्नामेंट में अच्छी बल्लेबाजी की है : कुलदीप

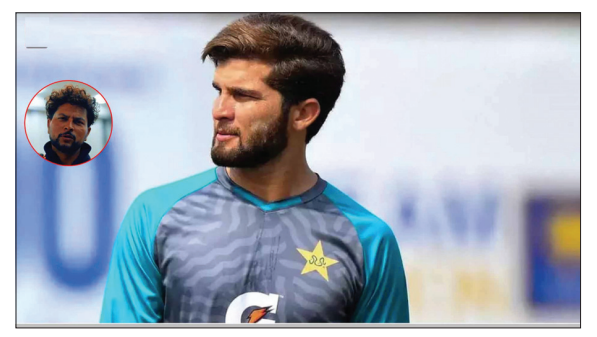

दुबई। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि शाहीन ने इस टूर्नामेंट में अच्छी बल्लेबाजी की है। कुलदीप के अनुसार जहां पाक बल्लेबाजी विफल हो रही हैं। वहीं शाहीन आसान से रन बनाते दिख रहे हैं। शाहीन के कारण ही पाक टीम यूएई के खिलाफ अच्छा स्कोर बना पायी। वह जमकर चौके छक्के लगा रहे हैं। भारतीय टीम के खिलाफ भी शाहीन ने 16 गेंद में 33 रन बनाए थे। वहीं यूएई के खिलाफ उन्होंने 14 गेंद में 29 रन बनाये। कुलदीप ने कहा कि शाहीन बहुत अच्छा खेल रहे हैं और पिछले दो मैचों में उन्होंने काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। कुलदीप ने कहा, 'जब आप गेंदबाजी कर रहे होते हैं, तो आप विरोध बल्लेबाजों की रणनीति समझने के प्रयास करते हैं। कुछ अच्छे बल्लेबाज होते हैं जो अच्छा खेलते हैं। शाहीन भी वैसा ही नजर आ रहा है। पिछले 2 मैचों में उसने आक्रामक बल्लेबाजी की है। साथ ही कहा कि खेल में गलतियां से ही हर कोई सीखता है। कोई भी एकदम से खेल में परफेक्ट नहीं हो सकता है।' गौरतलब है कि शाहीन ने भारतीय टीम के खिलाफ ग्रुप ए मैच में पाकिस्तान की ओर से नंबर 9 पर बल्लेबाजी करते हुए चार छक्के लगाए. उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से ही पाकिस्तान की टीम 9 विकेट पर 127 रनों का सम्मानजनक स्कोर बना पायी।

ओमान के खिलाफ मैच में अक्षर हुए चोटिल, पाकिस्तान से सुपर 4 में खेलना संदिग्ध

-भारत के फील्डिंग कोच दिलीप ने अक्षर को बताया 'ठीक'

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में भारत को रविवार को फिर पाकिस्तान के खिलाफ सुपर 4 में खेलना है। आखिरी लीग मैच में ओमान के खिलाफ फील्डिंग करते समय अक्षर पटेल घायल हो गए। उनके सिर पर लगी चोट से बाद वह मैदान से बाहर चले गए। इसके बाद सवाल उठ रहा है क्या वह अगले मैच में खेलेंगे। भारतीय टीम के फील्डिंग कोच टी दिलीप ने कहा है कि अक्षर पटेल 'ठीक' हैं। बता दें मैदान पर कैच लेने की कोशिश में सिर पर चोट लगने के बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे और वे वापस नहीं लौटे। इस चोट के कारण रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ बड़े मुकाबले में उनका खेलना संदिग्ध हो सकता है। ओमान की पारी के 15वें ओवर में विकेटकीपर हम्माद मिर्जा का कैच लेने के लिए मिड-ऑफ से दौड़ते हुए अक्षर ने कैच को लपका लेकिन संतुलन खोकर सिर के बल मैदान पर गिर पड़े। अक्षर को सिर और गर्दन पकड़ते देखा गया था और फिजियो ने उन्हें मैदान से बाहर ले गया। इसके बाद वे मैदान में वापस नहीं आ सके। अक्षर ने सिर्फ एक ओवर फेंका, जिसमें उन्होंने चार रन दिए थे, जबकि भारत ने आठ गेंदबाजों का इस्तेमाल करते हुए ओमान को 21 रनों से हराया। मैच के बाद भारत के फील्डिंग कोच दिलीप ने अक्षर को 'ठीक' बताया था, लेकिन मैचों के बीच कम समय का अंतर चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

सुपर फोर में भी भारतीय का पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखना तय

दुबई। भारत ओर पाकिस्तान के बीच रविवार को होने वाले सुपर फोर मैच में भी तनाव चरम पर रहेगा। भारतीय टीम ने जिस प्रकार 14 सितंबर को हुए लीग मैच में पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखते हुए हाथ नहीं मिलाया था। वैसा ही वह इस मैच में भी करेगी। भारतीय टीम ने पहलगाम आतंकी हमले में पाक के लिप्त होने के कारण विरोध के तौर पर उससे दूरी बनाये रखी थी। लीग मैच में भारतीय टीम ने आसानी से पाक को हरा दिया था। अब भारतीय टीम इसी प्रकार सुपरफोर में भी एकतरफा जीत चाहेगी। भारतीय टीम ने जिस प्रकार अब तक इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन किया है। उससे वह जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उभरी है। भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव पहले मैच में पाक के खिलाफ विजयी शॉट लगाने के बाद सीधे ही ड्रेसिंग रुम की ओर बढ़ गये थे। इससे पाक खिलाड़ी हैरान रह गये थे। पाक टीम ने भारतीय खिलाड़ियों के हाथ नहीं मिलाने को अपनी बेइज्जती मानते हुए मैच रैफरी से भी शिकायत की थी पर बाद वह रैफरी को ही हटाने की मांग करने लगी जिसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ठुकरा दिया था। कई पूर्व क्रिकेटरों ने मैच के पहले ही पाकिस्तान की हार की भविष्वाणी कर दी थी और इसी प्रकार की बातें सूपर फोर मैच को लेकर भी कहीं जा रही हैं। इस मैच में भी कुछ बदलने की उम्मीद नहीं है क्योंकि पाक की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अब भी लचर बनी हुई है। ऐसे में भारतीय टीम इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार बनी हुई है।

मैच के बाद सूर्यकुमार ने ओमान खिलाड़ियों को दिए टिप्स, तस्वीर भी खिंचवाई

-ओमान के कप्तान बोले-सूर्या ने की हमारे खेल की तारीफ जो हमरे लिए खास

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप में पाकिस्तान की टीम के साथ किया गया भारतीय कप्तान का बर्ताव चर्चा में है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और उनके पूर्व क्रिकेटर्स ने सूर्यकुमार के खेल भावना पर सवाल उठाया है। ओमान के खिलाफ मैच के बाद जो टीम इंडिया ने किया वह पूरे पाकिस्तान के लिए तमाचा था। भारत ने ओमान के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में 21 रनों से जीत हासिल की। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट के अजेय रहते हुए सुपर 4 में कदम रख लिया है। मैच के बाद सूर्यकुमार ओमान की टीम के खिलाड़ियों से बात करते नजर आए और जताया की असली खेल भावना किसे कहते हैं।

ओमान के खिलाफ मैच के बाद सूर्यकुमार के एक इशारे ने फैंस का दिल जीत लिया। भारतीय कप्तान को ओमान के खिलाड़ियों के साथ बातचीत करते हुए देखा गया, जहां वे खिलाड़ियों को कुछ टिप्स दे रहे थे। ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह ने पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में कहा कि सूर्या ने खेल के बारे में बात की और हमारी तारीफ की, जो हमारे लिए बहुत मायने रखता है। हमारे खिलाड़ियों के पास टी20 खेल के कई चरणों में खेलने के बारे में सवाल थे। उनके साथ बातचीत करना बहुत अच्छा था।

मैच के बाद ना सिर्फ सूर्यकुमार ने ओमान के खिलाड़ियों से बात की और उनको टिप्स दिए बल्कि पूरी टीम के साथ तस्वीर भी खिंचवाई। इससे ये समझ आता है कि वह विरोधी टीम के खिलाड़ियों का कितना सम्मान करते हैं। उनके अंदर खेल भावना कितनी ज्यादा है। मैच से पहले ओमान के कप्तान ने ये भी कहा था कि वे अपने आदर्श के साथ खेलने के लिए उत्सुक थे।

मैच की बात करें तो भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत को 8 विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए। मजेदार बात यह है कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार ने बाकी बल्लेबाजों को ऊपर भेजा और खुद बल्लेबाजी नहीं कर सके। ओमान के ओपनर्स जतिंदर सिंह और आमिर कलीम ने 56 रनों की साझेदारी की। कप्तान जतिंदर सिंह के आउट होने के बाद हामद मिर्जा नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने आए और वहीं से खेल को आगे बढ़ाया। मिर्जा और कलीम दोनों ने अर्धशतक बनाए। ऐसा लगा कि वे टूर्नामेंट का पहला बड़ा उलटफेर कर देंगे लेकिन हार्दिक पांड्या के आमिर कलीम 46 गेंदों में 64 रन के कैच ने मैच पलट दिया। हामद मिर्जा 33 गेंदों में 51 रन का विकेट लेकर भारत के लिए मैच खत्म किया। इससे ओमान 20 ओवरों में चार विकेट खोकर 167 रन बना सका।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

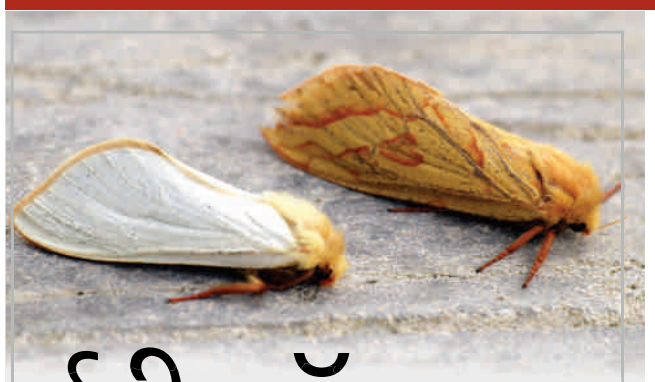

ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगे को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनक आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्यूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

पेड़ों की पत्तियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पत्तियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पत्तियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन प्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरग्वे से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टैक्सास तक पहुंच जाते हैं।

सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।

रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा

रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। ट्रुकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मची उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुक्सान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नू (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतू पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबैल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।

केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बुओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्राने की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बुओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैंसों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।

जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

'मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है,हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी' मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन 'पर्च' नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्च में पाए जाने वाले कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे 'आरोही' मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।

किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।

हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

किसी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या टिवस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को ट्विस्ट करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यूं टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द 'ट्रोनाडा'' से बना है जिसका मतलब है 'थंडरस्ट्रॉम।'' टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं। हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के 'टॉरनेडो ऐली'' रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए 'पल्स डॉप्लर राडार'' की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की फ्यूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है।

सामान्यतः किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो सकते हैं तो कभी मिट्टी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं। है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पेसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है।

इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे 'आई'' यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉप्लर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है।

इनका टायफून नाम अरबी भाषा के 'तूफान'' शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक मायथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस 'टायफोन'' से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता 'हुराकान'' को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई से फुकेत जाने वाली इंडिगो की उड़ान में बम की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से थाईलैंड के फुकेत जा रही इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-1089 को बम की धमकी मिली। जिसके चलते शुक्रवार देर रात विमान की चेन्नई हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई। इसके बाद, सीआईएसएफ कर्मियों और हवाई अड्डे के अधिकारियों ने विमान की जाँच की, लेकिन उन्हें वहाँ कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। बाद में पता चला कि यह एक झूठी धमकी थी। एयरलाइन ने बताया कि 19 सितंबर को सुरक्षा कारणों से मुंबई से फुकेत जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान को चेन्नई डायवर्ट कर दिया गया था। प्रोटोकॉल के अनुसार, अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया और चेन्नई में विमान की आवश्यक सुरक्षा जाँच की गई। हालाँकि, इस पूरी प्रक्रिया के दौरान यात्रियों को असुविधा हुई। यात्रियों को चेन्नई हवाई अड्डे पर कई घंटे बैठना पड़ा।

उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत को सीबीआई का फिर बुलाया

देहरादून (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को सीबीआई ने फिर से नोटिस दिया है। इसकी जानकारी स्वयं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने इंटरनेट मीडिया पर साझा की है। उन्होंने कहा कि नोटिस को ग्रहण कर लिया है। वह यह अनुरोध कर रहे हैं सितंबर में वह यात्रा करने की स्थिति में नहीं है, इसलिए उन्हें अक्टूबर के दूसरे अथवा तीसरी सप्ताह में बुलाया जाए। दरअसल रावत के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए उनके स्टिंग के बाद उन पर सीबीआई जांच चल रही है। अब उन्हें सीबीआई ने फिर नोटिस भेजा है। रावत ने कहा कि सीबीआई को उनकी फिर याद आई है। इससे ऐसा लगता है कि विधानसभा चुनाव आने वाले हैं। भाजपा के दोस्तों ने उन्हें चुनाव के लायक समझा है। भारत सरकार में बैठे लोग अब भी मानते हैं कि वह चुनावों को प्रभावित कर सकते हैं। इसके लिए धन्यवाद के साथ नोटिस को स्वीकार कर रहे हैं।

आइसक्रीम फैक्टरी के पास एक व्यापारी का शव मिलने से हड़कंप

बागेश्वर (एजेंसी)। कोतवाली पुलिस क्षेत्र के तहत नदीगांव में मौजूद आइसक्रीम फैक्टरी के पास एक व्यापारी का शव संदिग्ध परिस्थितयों में मिला है। जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। कोतवाली पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद स्वजन बिलख रहे हैं। दोफाड़ गांव निवासी 50 वर्षीय आनंद कालाकोटी पुत्र नंदन कालाकोटी का शव शनिवार सुबह आइसक्रीम फैक्टरी पास मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना के बाद पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची। शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए शव को जिला अस्पताल भेज दिया है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक भवाली से बाइक से आ रहा था। नदीगांव में जहां पर शव मिला वहां खून की उल्टी हुई हैं। शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं हैं। मृतक का एक बेटा है जो कक्षा नौ में पढ़ता है।

दिल्ली पुलिस और गोगी गैंग के बीच हुई मुठभेड़, 2 बदमाश घायल, 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के रोहिणी इलाके में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी देर रात पुलिस और गोगी गैंग के बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान गैंग के तीन बदमाशों को पुलिस ने दबोच लिया। इनमें से दो को गोली लगी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इरफान, लालू और नितेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बदमाश कार में सवार थे और घेराबंदी के दौरान उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में उन्हें काबू कर लिया गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई जारी है। बदमाश अक्सर पुलिस का सामना होने पर गोलियां चलाने से भी परहेज नहीं करते, लेकिन इस बार पुलिस ने उन्हें अपनी ताकत का अहसास करा दिया। इधर, पुलिस ने ऑपरेशन आघात के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 से ज्यादा अपराधियों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने ड्रग्स और 13 पिस्टल भी बरामद कीं।

दिल्ली के कई स्कूलों को बम धमकी

यहां बताते चलें कि शुक्रवार को ही दिल्ली के कई स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। इसमें डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल और सर्वोदय विद्यालय शामिल हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और छात्रों व स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकालकर तलाशी अभियान शुरू किया गया।

लोन वसूलने लोगों से गाली-गलौज और अश्लील मैसेज भेजता था कॉल सेंटर

-पुलिस ने छापामारा, 7 महिलाओं और संचालक समेत आठ को किया गिरफ्तार

गुरुग्राम (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। गुरुग्राम पुलिस ने एक बैंक ऋण वसूली एजेंसी के कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गिरोह के सदस्य लोगों को गाली-गलौज और अश्लील वॉयस भेजते थे। साथ ही बार-बार ऑटो कॉल करके परेशान भी करते थे। पुलिस ने कॉल सेंटर पर छापा मारा और 7 महिलाओं और कॉल सेंटर संचालक समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि परिसर से 10 मोबाइल फोन, 26 सिम कार्ड, एक डायलर मशीन और एक लैपटॉप बरामद किया है। यह कार्रवाई 12 सितंबर को एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद की गई, जिसमें लोन वसूली के लिए अलग-अलग नंबरों से गाली-गलौज, अभद्र भाषा और बार-बार ऑटो कॉल करके परेशान करने का आरोप लगाया गया था। शिकायत के आधार पर साइबर अपराध पुलिस स्टेशन (पूर्व) में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच में पुलिस ने दिल्ली के डाबड़ी स्थित कॉल सेंटर पर छापा मारा। इस दौरान पुलिस गैंग के प्रवीण (20), ईशा वर्मा (24), कहकशा (26), मौरिस सिन्हा (26), मुकेश चौहान (35), रीना बिष्ट (28), रोशनी (27) और रोज़ी (23) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि कॉल सेंटर संचालक मुकेश चौहान पिछले दो सालों से बैंक लोन वसूली के लिए कॉल सेंटर चला रहा था। सहायक पुलिस आयुक्त (साइबर) ने कहा कि आरोपी बार-बार लोन न चुकाने वालों या उनके रिश्तेदारों को फोन करते थे।

शाह-नीतीश की मुलाकात में दोनों के बीच सीट को लेकर बनी सहमति...सहयोगी दलों से चर्चा बाकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में तब नई हलचल मच गई जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के चाणक्य अमित शाह से होटल के कमरे में मुलाकात की थी। शाह तभी पटना में आयोजित अपने सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने पहुंचे थे। दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज हैं, कि यह आगामी विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे की तैयारियों का हिस्सा है। बता दें कि इस मुलाकात के दौरान बिहार भाजपा के नेताओं के अलावा नीतीश कुमार के दो खास सिपहसालार संजय झा और विजय चौधरी भी बैठक में शामिल हुए।

सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू)के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर शुरुआती खाका खींचा जा चुका है। इस लेकर लोजपा (एलजेपी), हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मत्स्यजीवी पार्टी (आरएलएम) जैसे सहयोगी दलों से भी बातचीत चल रही है। गठबंधन के भीतर सभी दलों को संतुलित हिस्सेदारी देने की कोशिश हो रही है। जानकारी के मुताबिक, सीट बंटवारे को लेकर अंतिम फैसला नवरात्र के पावन पर्व के दौरान घोषित हो सकता है, जिसकी शुरुआत 22 सितंबर से हो रही है। पटना के सियासी गलियारों में इसकी चर्चा है कि एनडीए इस मौके को शुभ मानकर एकजुटता का संदेश जनता तक पहुंचाना चाहता है। यह वहीं समय होगा जब से आम लोगों को जीएसटी की नई दरों का लाभ मिलना शुरू होगा। बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा में अब कुछ ही दिन शेष बचे हैं। दुर्गा पूजा के बाद कभी भी इसका ऐलान हो सकता है। इस साल छठ के बाद वोटिंग की संभावना है।

2020 के चुनावों में जेडीयू की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर रही थी, जबकि बीजेपी बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। लेकिन हाल के दिनों में नीतीश कुमार के एनडीए में लौटने के बाद समीकरण फिर बदल गए हैं। बीजेपी नेतृत्व यह सुनिश्चित करना चाहता है कि गठबंधन की एकता बनी रहे और विपक्षी गठबंधन इंडिया को चुनौती मिल सके। वहीं, नीतीश कुमार भी अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर सतर्क होकर चाहते हैं कि उन्हें गठबंधन में सम्मानजनक हिस्सेदारी मिले।

संजय राउत का शिंदे पर हमला : मानसिकता बेहद निचले स्तर की... अब कोई बात बाकी नहीं

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर तीखा हमला बोला। राउत ने कहा, गद्दार हम पर आरोप लगा रहे हैं। शिंदे की मानसिकता बेहद निचले स्तर की है, इस पर अब कोई बात बाकी नहीं। राउत ने कहा कि राजन विचारे पहले से ही शिवसेना में हैं और पूरी तरह हमारे साथ हैं। अगर वे हमारे साथ नहीं होते तो शिंदे भी आज नहीं होते। उन्होंने सवाल उठाया कि सतीश प्रधान को टिकट किसने दिया था-शिंदे ने या खुद बालासाहेब ठाकरे ने?

यूबीटी नेता ने आरोप लगाया कि शिंदे गुट धीरे-धीरे बीजेपी में मिल रहा है। उन्होंने कहा, हमने कभी बालासाहेब ठाकरे के साथ किसी और का फोटो नहीं लगाया। अगर हिम्मत है तो पीएम मोदी से बड़ा आनंद दिघे का फोटो लगाइए। ठाणे दौरे पर राउत ने कहा कि वे कल ही ठाणे होकर आए थे, बिना किसी सरकारी सुरक्षा और मीडिया के। उन्होंने दावा किया कि वे जहां चाहें जा सकते हैं क्योंकि वे शिवसेना के नेता हैं। बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर राउत ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा, दिल्ली से मुंबई को क्यों नहीं जोड़ा गया? आपको सिर्फ मुंबई को गुजरात से जोड़ने की जल्दी है। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि उद्धव ठाकरे 4 अक्टूबर को पुणे और मराठवाड़ा का दौरा करेंगे। साथ ही राउत ने विरोधियों को चेतावनी दी कि आलोचना करें लेकिन 'मर्यादा में रहकर', क्योंकि विधानसभा में मारपीट करना उनकी आदत बन चुकी है।

राहुल गांधी के खिलाफ लखनऊ कोर्ट ने शिकायत दर्ज करने का दिया निर्देश

लखनऊ (एजेंसी)। जिला अदालत ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया है। एक वकील ने याचिका दायर कर राहुल गांधी पर देशविरोधी बयान देने का आरोप लगाया है। याचिका में कहा गया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि हम अब भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज्य से लड़ रहे हैं। कोर्ट ने शिकायतकर्ता का बयान दर्ज करने के लिए एक अक्टूबर की तिथि दी है। वकील नृपेंद्र पांडे ने याचिका में राहुल गांधी पर देश को अस्थिर करने के इरादे से राष्ट्रविरोधी बयान देने का आरोप लगाया है। वहीं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी, केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश को विपक्षी पक्षकार बनाते हुए आरोप लगाया कि चूंकि वे उस कार्यक्रम में मौजूद थे, जहां यह टिप्पणी की गई, इसलिए उन्हें भी गिरफ्तार किया जाना चाहिए। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि 15 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में नवनिर्मित कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा भवन के उद्घाटन के दौरान राहुल गांधी ने ने यह बयान दिया था। याचिका के अनुसार राहुल गांधी के शब्दों का अर्थ है कि कांग्रेस पार्टी भारतीय गणराज्य के

विरुद्ध लड़ रही है। यह राष्ट्र के विरुद्ध बयान से कम नहीं था। उन्होंने तर्क दिया कि भारतीय राज्य शब्द भारत के लोगों और सभी संवैधानिक संस्थाओं, संसद, विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को दर्शाता है, जो मिलकर भारतीय गणराज्य का निर्माण करते हैं।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि गांधी की टिप्पणी भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता पर हमला है। यह टिप्पणी ज़बान फिसलने के कारण नहीं है, बल्कि पूरी तरह से सचेत होकर, जानबूझकर और देश को अस्थिर करने के इरादे से की गई। वकील ने दावा किया कि राहुल गांधी के राष्ट्र-विरोधी बयान ने भारत माता और भारत के 140 करोड़ लोगों का अपमान किया। याचिका में गांधी के पहले के भाषणों और विवादों का भी हवाला दिया गया ताकि यह तर्क दिया जा सके कि उनके कार्य और टिप्पणियां 'विदेशी और राष्ट्र-विरोधी शक्तियों' के प्रभाव में एक 'सुनियोजित साज़िश' का हिस्सा हैं।

केजरीवाल का बीजेपी सरकार पर तंज... 4 इंजन वाली सरकार दिल्ली को सुरक्षा नहीं दे पा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के स्कूलों को लगातार मिल रही बम की धमकियों को लेकर बीजेपी की रेखा गुप्ता सरकार पर निशाना साधा है। एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि एक साल में कई बार बम की धमकियां मिलने के बावजूद अब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

केजरीवाल ने कहा, दिल्ली के स्कूलों को बार-बार बम की धमकियां मिल रही हैं। हर जगह दहशत फैली हुई है, स्कूल बंद हैं और बच्चों और अभिभावकों में डर का माहौल है... लेकिन एक साल में न कोई पकड़ा गया और न ही कोई कार्रवाई की गई। उन्होंने बीजेपी पर हमला कर सवाल उठाया, 4 इंजन वाली बीजेपी सरकार राजधानी की सुरक्षा भी नहीं संभाल पा रही है। माता-पिता हर दिन डर के

साये में जी रहे हैं। यह सब कब खत्म होगा?

बात दें कि शनिवार सुबह दिल्ली के कई स्कूलों को फोन पर बम की धमकियां मिलीं, जिसमें डीपीएस द्वारका, कृष्णा मॉडल पब्लिक स्कूल, और सर्वोदय विद्यालय शामिल थे। इन धमकियों के बाद, छात्रों और कर्मचारियों को तुरंत परिसर से बाहर निकाला गया। पुलिस और बम निरोधक दस्ते को तुरंत मौके पर भेजा गया।

डीपीएस द्वारका ने शनिवार के लिए स्कूल बंद कर दिया और अपरिहार्य परिस्थितियों का हवाला देकर मध्यावधि परीक्षाओं को स्थगित किया। स्कूल ने सर्कुलर में कहा, प्रिय अभिभावकगण, कृपया ध्यान दें कि अपरिहार्य कारणों से शनिवार, 20 सितंबर 2025 को स्कूल बंद रहेगा। सभी स्कूल बसों और निजी वैन/कैब को तुरंत वापस भेजा जा रहा है। अभिभावकों से अनुरोध है कि वे अपने बच्चों को लेने के लिए स्टॉप पर अवश्य पहुँचें।

स्कूलों के अलावा, शहर के विभिन्न कॉलेजों को भी बम की धमकी मिली है। 9 सितंबर को, नई दिल्ली स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। कॉलेज को तुरंत खाली कराया गया और जांच के बाद धमकी फर्जी पाई गई। उसी दिन, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय को भी इसी तरह की धमकियां मिली थीं। हालाँकि, डीसीपी निधिन वलसन के अनुसार, ये धमकियां भी फर्जी निकलीं।

भारतीय वायुसेना प्रमुख ने बताया... आखिरकार क्यों चार दिन में ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने कहा कि आखिर क्यों महज चार दिनों में ही ऑपरेशन सिंदूर रोकना पड़ा। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया ऑपरेशन सिंदूर केवल चार दिनों में रोक दिया गया, क्योंकि भारत ने अपने उद्देश्यों को हासिल कर लिया था। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी संगठनों के नौ प्रमुख ठिकानों को नष्ट किया गया। एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा, हमारा मकसद आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करना था। हमारी वायुसेना ने आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले कर अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया। जब उद्देश्य पूरे हो गए, तब हमें युद्ध को समाप्त करने में देरी क्यों करनी चाहिए? प्रत्येक संघर्ष की एक बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है जो हमारी अगली तैयारियों, अर्थव्यवस्था और देश की प्रगति को प्रभावित करती है। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि दुनिया को भारत से यह सबक सीखना चाहिए कि किसी संघर्ष को कैसे शुरू किया जाए और यथाशीघ्र कैसे समाप्त किया जाए। उन्होंने विश्व के चल रहे संघर्षों, जैसे रूस-यूक्रेन और इजरायल के युद्धों का जिक्र कर कहा कि ये युद्ध वर्षों से चल रहे हैं, क्योंकि कोई भी संघर्ष को समाप्त करने की रणनीति पर ध्यान नहीं दे रहा। उन्होंने कहा कि लक्ष्य बदलने या अहंकार के कारण युद्ध को लंबा खींचना गलत है।

पूनावाला ने कहा- कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान को बचाने की कोशिश की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने कांग्रेस के ओवरसीज विभाग प्रमुख सैम पित्रोदा के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि 2008 के मुंबई आतंकी हमले (26/11) के बाद भी कांग्रेस सरकार ने पाकिस्तान पर कोई सख्त कदम नहीं उठाया था और इसकी वजह कांग्रेस का पाकिस्तान के प्रति अनवरत प्रेम था। भाजपा ने पित्रोदा के उस बयान का हवाला देते हुए, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान को घर जैसा बताया था को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी और शहजाद पूनावाला ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस का पाकिस्तान से अनवरत प्रेम उसकी नीतियों में झलकता है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भी कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान को बचाने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने आतंकवादी हाफिज सईद से यासीन मलिक के जरिए बातचीत की, 26/11, समझौता, पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमलों में पाकिस्तान को क्लीन चिट दी।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने इसे राहुल गांधी की सोच से जोड़ते हुए कहा कि राहुल गांधी

के सबसे करीबी और कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा पाकिस्तान को अपना घर बताते हैं। यही वजह है कि यूपीए सरकार ने 26/11 जैसे हमले के बाद भी पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का पसंदीदा और कांग्रेस का चुना हुआ! उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विदेश नीति हमेशा पाकिस्तान को खुश करने वाली रही है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने आतंकवाद पर कठोर रुख दिखाने की बजाय पाकिस्तान की स्थितियों को समझने और उनका पक्ष लेने की कोशिश की। पत्रकार वार्ता में भंडारी ने कहा कि क्या कोई देशभक्त कभी यह कह सकता है कि आतंकी राज्य पाकिस्तान उसके लिए घर जैसा है? उन्होंने आरोप लगाया कि यह बयान कांग्रेस नेतृत्व की रणनीति के तहत आया है और यह 140 करोड़ भारतीयों व शहीद सैनिकों का अपमान है। भंडारी ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पित्रोदा गांधी परिवार के करीबी हैं और लंबे समय से उनकी रणनीति तय करते हैं।

लालू परिवार में खटपट, मांझी की बहू का तंज... यह सब कुछ एक दिन होना ही था

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की बहू और हम पार्टी की विधायक दीपा मांझी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के परिवार में चल रही लड़ाई पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह उनका घरेलू मामला है, लेकिन लालू परिवार में यह सब कुछ एक दिन होना ही था।

लालू की बेटी रोहिणी आचार्य को लेकर दीपा मांझी ने कहा, लाल के बड़े बेटे तेजप्रताप पहले ही बगावत कर चुके हैं। वे परिवार से अलग रहते हैं और पारिवारिक कार्यक्रमों में भी शामिल नहीं होते हैं। उन्होंने कहा, ये लालू परिवार का घरेलू मामला है। अगर लालू प्रसाद यादव अपने परिवार को एकजुट करना चाहते हैं, तब उन्हें परिवार को साथ बैठाकर विवाद सुलझाना चाहिए।

लालू अपने बड़े बेटे तेज प्रताप पहले ही राजद से निकाले जा चुके हैं। इस बार लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य के तेवरों ने नए विवाद को हवा दे दी है। इस विवाद की शुरुआत तेजस्वी

यादव के करीबी और राज्यसभा सदस्य संजय यादव को लेकर रोहिणी आचार्य के पोस्ट से हुई।

बात दें कि परिवार से बागवात कर चुके तेज प्रताप भी संजय यादव पर सवाल उठा चुके हैं। इस बार रोहिणी आचार्य ने संजय यादव पर सवाल दागे हैं। संजय राजद की बिहार अधिकार यात्रा में तेजस्वी वाली फ्रंट सीट पर बैठे थे। रोहिणी ने उसकी तस्वीर एक्स पर शेयर करते हुए निशाना साधा था। जब विवाद की शुरुआत हुई, तब डैमेज कंट्रोल के लिए रोहिणी आचार्य ने दो और तस्वीरें शेयर कीं।

अपनी पोस्ट में रोहिणी ने कहा, वंचितों व समाज के आखिरी पायदान पर खड़े वर्ग समूह को आगे लाना ही राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव के सामजिक और आर्थिक न्याय के अभियान का मूल मकसद रहा है। इन तस्वीरों में समाज के इन्हीं तबके से आने वालों को आगे बैठे देखना सुखद अनुभूति है।

राजा से रहता है सीधा संवाद, इसलिए भूटान में नहीं होती हिंसा या जनआंदोलन

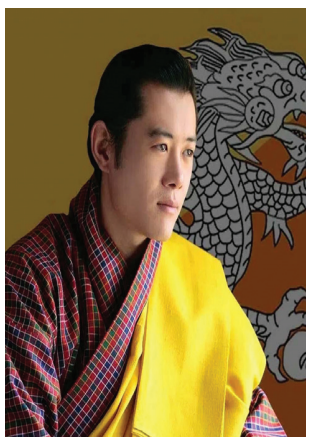

-संकट आने पर जनता और सरकार दोनों ही राजा से मांगते हैं मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार, पाकिस्तान, श्रीलंका राजनीतिक अस्थिरता और जनआंदोलनों से जूझते रहे, उसी दौरान भूटान अपवाद बना रहा। हिमालय की गोद में बसा यह छोटा सा देश हैप्पीनेस इंडेक्स में ऊपर दिखाई देता है और यहां सड़कों पर शायद ही कभी बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन होते हैं। अब सवाल उठता है कि आखिर भूटान कैसे बचा रहा इस उठापटक से?

भूटान में 2008 तक पूरा शासन राजा के हाथों में था। चौथे राजा जिग्मे सिंगये वांगचुक ने दूरदृष्टि दिखाते हुए लोकतंत्र की नींव रखी थी। उनके ऊपर कोई दबाव नहीं था, न कोई आंदोलन, लेकिन उन्होंने नेपाल जैसे हालातों से सबक लेते हुए खुद सत्ता साझा करने का फैसला किया। संविधान बना, चुनाव हुए और लोकतंत्र शांतिपूर्वक स्थापित हो गया। सत्ता का यह स्वैच्छिक हस्तांतरण जनता के विश्वास को मजबूत करने वाला साबित हुआ।

भूटान में राजा आज भी बेहद लोकप्रिय हैं। वे हेड ऑफ स्टेट बने रहते हैं, लेकिन रोजमर्रा का शासन निर्वाचित सरकार ही चलाती है। संकट के समय जनता और सरकार दोनों ही राजा की ओर देखते हैं। इस कारण वहां सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसक आंदोलन नहीं होते हैं। भूटान की आबादी कम है और यहां बौद्ध धर्म माना जाता है। साझा सांस्कृतिक पहचान और परंपराएं लोगों को जोड़कर रखती हैं। इसके विपरीत नेपाल और श्रीलंका जैसे देशों में विविधता और जातीय तनाव राजनीतिक अस्थिरता की जड़ बने।

जानकारी के मुताबिक भूटान में प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित है। सरकार और राजशाही की आलोचना आसान नहीं। स्थानीय मीडिया छोटा है और वित्तीय रूप से सत्ता पर निर्भर है। सोशल मीडिया पर भी निगरानी रहती है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अक्सर आरोप लगाती रही हैं कि असहमति की आवाज दबा दी जाती है। उदाहरण के तौर पर, नेपाली मूल के हजारों लोगों का विस्थापन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठा, लेकिन भीतर भूटान में यह मुद्दा दबा दिया गया।

भूटान के राजाओं ने जनता के बीच जाकर सीधा संवाद किया। गांवों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनना और संकट के समय मदद करना, उनकी लोकप्रियता का मुख्य कारण बना। इस वजह से लोग असंतोष व्यक्त करने के लिए सड़कों पर उतरने के बजाय राजा पर भरोसा करते हैं। भूटान में स्थिरता की वजह राजशाही की दूरदृष्टि, लोकतंत्र का शांतिपूर्ण अंगीकरण, सामाजिक-सांस्कृतिक एकरूपता और मजबूत सेंसरशिप है। हालांकि आलोचक कहते हैं कि यह शांति आंशिक है और सेंसरशिप की कीमत पर हासिल हुई है। इसके बावजूद भूटान अब तक उस प्रोटेस्ट कल्चर से बचा है, जिसने भारत के पड़ोसी देशों को हिला दिया है और सत्ता परिवर्तन भी हुआ है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

बलूचिस्तान में दो कार बम धमाकों में आठ की मौत

तुर्बत, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गुरुवार को दो अलग-अलग कार बम धमाकों में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और लगभग दो दर्जन घायल हो गए। पहले धमाके में, तुर्बत जिले में एक आत्मघाती हमलावर ने सुरक्षा दल की गाड़ी को टक्कर मार दी, जिसमें दो सुरक्षा कर्मी मारे गए और 23 घायल हुए। इसके ठीक कुछ घंटे बाद, अफगान सीमा के पास चमन शहर में दूसरा बम फटा, जिसमें छह लोग मारे गए। हालांकि मामले में अभी तक किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन संदिग्ध पाकिस्तान तालीबान और बलूच अलगाववादी समूह हैं। बलूचिस्तान में वर्षों से अलगाववादी हिंसा जारी है, जहां कई समूह केंद्र सरकार से स्वतंत्रता की मांग करते रहे हैं।

नेपाल की सैनिक बैरक से बाहर आए पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) एमाले के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सैनिक बैरक से बाहर आ गए हैं। जेन-जी आंदोलन के दौरान सुरक्षा कारणों से नेपाली सेना ने उन्हें बैरक में रखा था। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद वह 9 सितंबर से वहीं ठहरे हुए थे। अब ओली भक्तपुर के गुण्डु इलाके में स्थानांतरित हो गए हैं, जहां उनके लिए किराये का घर लिया गया है। बालकोट स्थित उनका निजी घर प्रदर्शनकारियों द्वारा जला दिए जाने के कारण उन्हें वहां से हटना पड़ा। नेपाल की अंतरिम सरकार ने कहा है कि देश में आम चुनाव समय पर होंगे। अगले साल पांच मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव को सफलतापूर्वक कराने के लिए सरकार पूरी तैयारी कर रही है। नवनियुक्त गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने सभी राजनीतिक दलों और संबंधित पक्षों से प्रतिनिधि सभा के आगामी चुनाव के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा, अगले साल 5 मार्च को संसदीय चुनाव कराने पर सरकार पूरी तरह ध्यान दे रही है।

पाकिस्तानी सिंधी समुदाय ने किया जिनेवा में प्रदर्शन

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 60वें सत्र के दौरान, सिंधी कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार समूहों ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पाकिस्तान सरकार व उसके सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा सिंधियों के साथ हो रहे व्यवस्थित दुर्व्यवहार और शोषण पर भी प्रकाश डाला। इन प्रदर्शनों के साथ-साथ सिंध पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और सिंधी मानवाधिकार प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इसमें जबरन गुमशुदगी, न्यायेतर हत्याएं, भूमि हड़पना, सिंधी लड़कियों का जबरन धर्मांतरण सहित कई मुद्दों पर चिंता जताई गई।

अमेरिकी सेना का ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर क्रैश, इलाके में फैली आग ; चार सैनिक थे सवार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। राज्य के जॉइंट बेस लुईस-मैककॉर्ड के पास अमेरिकी सेना के एमएच-60 ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर का क्रैश हो गया। इस हेलिकॉप्टर में चार सैनिक सवार थे, जो 160वें स्पेशल ऑपरेशंस एविएशन रेजिमेंट के थे। यह अमेरिकी सेना के जॉइंट बेस हेडक्वार्टर के अधीन आता है। यह हादसा बुधवार रात करीब नौ बजे हुआ। मामले में अमेरिकी सेना की ओर से गुरुवार को जारी बयान में बताया गया कि क्रैश की वजह क्या थी, यह अभी पता नहीं चला है। हालांकि मामले की जांच चल रही है। सेना ने यह भी कहा कि यह अभी एक सक्रिय और जारी स्थिति है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो क्रैश की वजह से इलाके में जंगल में आग लग गई, जो गुरुवार सुबह तक करीब एक एकड़ (लगभग 0.4 हेक्टेयर) क्षेत्र में फैल चुकी थी। वॉशिंगटन के प्राकृतिक संसाधन विभाग (डीएनआर) ने यह जानकारी दी। आग बुझाने के लिए सेना, फायर ब्रिगेड और अन्य एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। वहीं मामले में थर्स्टन काउंटी के शेरिफ डेरिक सैंडर्स ने बताया कि हेलिकॉप्टर के मलबे का पता लगा लिया गया है, लेकिन इलाके में आग होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोकना पड़ा है। उन्होंने कहा कि सेना और स्थानीय एजेंसियां मिलकर पूरा प्रयास कर रही हैं कि जल्द से जल्द सैनिकों तक पहुंचा जा सके। वहीं मामले में अमेरिकी सेना की प्रवक्ता रूथ कैस्ट्रो ने बताया कि यह एक सर्च मिशन है जिसमें सबसे कुशल और अनुभवी टीमें लगी हुई हैं।

ट्रंप प्रशासन को झटका, जज ने ग्वाटेमाला के प्रवासी बच्चों को देश से निकालने पर लगाई रोक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय जज ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार को ग्वाटेमाला के प्रवासी बच्चों को तत्काल उनके देश वापस भेजने पर रोक लगा दी। ये बच्चे अकेले अमेरिका आए थे। ट्रंप की सख्त आप्रवासन (इमिग्रेशन) नीति को लेकर कानूनी विवाद में यह एक नया मोड़ है। जिला जज टिमोथी जे केली ने यह फैसला सुनाया। यह मामला उस समय सामने आया, जब ट्रंप प्रशासन ने श्रमिक दिवस की छुट्टियों के दौरान ग्वाटेमाला के उन बच्चों को निर्वासित करने की कोशिश की, जो सरकारी आश्रयों और फोस्टर केयर (अस्थायी देखभाल की व्यवस्था) में रह रहे थे।

ट्रंप प्रशासन ने किया था बच्चों को माता-पिता से मिलाने का दावा : ट्रंप प्रशासन ने दावा किया था कि वह बच्चों को उनके माता-पिता से मिलाने के लिए वापस भेज रहा है, क्योंकि माता-पिता खुद ऐसा चाहते थे। लेकिन जज केली ने कहा कि यह दलील एक हफ्ते में झूठी साबित हो गई। कोर्ट के सामने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया गया, जिससे साबित हो सकते बच्चों के माता-पिता चाहते थे कि उन्हें वापस भेजा जाए।

जज के फैसले पर ट्रंप प्रशासन ने क्या कहा : गृह सुरक्षा विभाग (होमलैंड सिक्योरिटी) की सहायक सचिव ट्रिशा मैकलॉघलिन ने अपने बयान में प्रशासन की बात दोहराई कि माता-पिता ने ही बच्चों की वापसी की मांग की थी। उन्होंने कहा, जज उन प्रयासों पर रोक लगा रहे हैं, जिनसे बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया जा सकता था। अब इन बच्चों को फिर से सरकारी आश्रय गृहों में रहना होगा। यह ट्रंप को निशाना बनाने की कोशिश है। यह शर्मनाक और अनैतिक है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैक्स ने बयान में कहा कि निचली कोर्ट ने परिवारों को मिलाने की इस कोशिश में गलत तरीके से दखल दिया है।

बाल अधिकार कार्यकर्ताओं ने कोर्ट में सौंपी रिपोर्ट : बच्चों के अधिकारों के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं ने कोर्ट में एक रिपोर्ट भी सौंपी थी, जिसमें कहा गया कि जिन बच्चों को वापस भेजा जा रहा था, उनमें से कई पहले से ही बाल शोषण, गिरोह हिंसा और मानव तस्करी जैसी गंभीर परिस्थितियों का शिकार रहे हैं। जज केली ने इस बात का जिक्र अपने आदेश में भी किया। वहीं, राष्ट्रीय आव्रजन कानून केंद्र के उपाध्यक्ष एफ्रेन ओलवारेज ने कहा कि कोर्ट ने सरकार के बार-बार झूठ बोलने और कमजोर बच्चों को निशाना बनाने की कोशिशों को नाकाम कर दिया। अगर इन बच्चों को जबरन वापस भेजा जाता, तो वे खतरनाक परिस्थितियों में फंस सकते थे।

कोर्ट ने पहले भी दिया था अस्थायी आदेश : इससे पहले भी बच्चों की वापसी रोकने के लिए एक अस्थायी आदेश दिया गया था, लेकिन इसकी समयसीमा मंगलवार को समाप्त होने वाली थी। जज केली ने अब एक अस्थायी फैसला दिया है, जिससे वह अस्थायी सुरक्षा अब अनिश्चितकाल तक बढ़ा दी गई है। हालांकि, सरकार इस फैसले के खिलाफ अपील कर सकती है।

अन्य देशों के बच्चों पर भी लागू होगा फैसला : जज केली ने यह मांग खारिज की कि अन्य देशों के बच्चों की वापसी पर भी रोक लगाई जाए। लेकिन उन्होंने कहा कि अगर सरकार इसी तरीके से अन्य बच्चों को भी वापस भेजेगी, तो वह भी अवैध माना जा सकता है।

अफगानिस्तान में फिर लौटने वाली है अमेरिकी फौज ?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ब्रेकिंग न्यूज दी है। उन्होंने कहा कि वह अफगानिस्तान में बगराम एयरबेस का नियंत्रण अपने हाथों में लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तालिबानी कब्जे के चार साल बाद एक बार फिर अमेरिकी फौज अफगानिस्तान में लौट सकती है। बता दें कि अफगानिस्तान से निकलने के बाद अमेरिकी सेना ने एयरबेस पर भी नियंत्रण छोड़ दिया था। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हम इस एयरबेस को वापस लेने का प्रयास कर रहे हैं। यह आपके लिए कुछ ब्रेकिंग न्यूज जैसा हो सकता है। उन्हें भी हमसे कुछ जरूरतें हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह एयरबेस चीन के करीब है, इसलिए इसे अपने कब्जे में रखना जरूरी है। हालांकि डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट नहीं बताया कि अमेरिका क्या करने जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जो बाइडेन के समय में ही यह एयरबेस तालिबान को सौंप दिया गया था, जो कि एक गलत फैसला था। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अफगानिस्तान छोड़ने के बाद भी अमेरिकी सेना को बगराम एयरबेस अपने पास ही रखना चाहिए था। यह दुनिया के सबसे बड़े एयरबेस में से एक है। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान को छोड़ना भी था तब भी खुद को मजबूत रखना जरूरी था। ऐसे में यह एयरबेस उपयोगी हो सकता था।

जिमी किमेल का शो बंद होने पर डेमोक्रेट्स भड़के, अभिव्यक्ति की आजादी पर लाएंगे विधेयक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एबीसी नेटवर्क ने मशहूर प्रस्तोता और कॉमेडियन जिमी किमेल के शो का प्रसारण अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का एलान किया है। इस बात से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद भड़क गए हैं और उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर राजनीतिक आलोचकों को धमकाने का आरोप लगाया है। यही वजह है कि डेमोक्रेट सांसदों ने अब सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अभिव्यक्ति की आजादी के लिए विधेयक पेश करने का फैसला किया है।

डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन पर लगाए आरोप : डेमोक्रेट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन विरोध की आवाजों को दबाने का प्रयास कर रहा है। डेमोक्रेट पार्टी आरोप लगाया कि ट्रंप सरकार ने एबीसी नेटवर्क पर दबाव बनाकर जिमी किमेल शो को बंद कराया है। हालांकि अमेरिकी संसद में इस समय रिपब्लिकन पार्टी का दबदबा है। ऐसे में डेमोक्रेट सांसदों के इस विधेयक के पारित होने की संभावना कम ही है।

जिमी किमेल की टिप्पणी पर हुआ विवाद : हाल ही में ट्रंप के करीबी और दक्षिणपंथी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की यूटा यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। चार्ली किर्क के संदिग्ध हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना को लेकर अमेरिकी समाज बंटा हुआ है। हाल ही में जिमी किमेल ने अपने शो में चार्ली किर्क के संदिग्ध हत्यारे टायलर रॉबिन्सन पर टिप्पणी की। किमेल ने दावा किया कि रॉबिन्सन पहले ट्रंप समर्थक रिपब्लिकन रहा होगा और मैगा गिरोह इस बात को छिपाने की कोशिश कर रहा है। उनकी इस टिप्पणी के तुरंत बाद दक्षिणपंथी समूहों ने उन्हें निशाने पर ले लिया। सोशल मीडिया पर उन्हें कठोर शब्दों में ट्रोल किया गया और यह मामला राजनीतिक रंग ले बैठा। फेडरल कम्युनिकेशन कमीशन (एफसीसी) के अध्यक्ष ब्रेंडन कार ने किमेल के बयान को गलत और घटिया आचरण बताया। उन्होंने संकेत दिया कि अगर एबीसी ने कार्रवाई नहीं की तो उनका प्रसारण लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। वहीं, अमेरिका की सबसे बड़ी प्रसारण कंपनियों में शामिल नेक्सस्टार ने भी किमेल की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए शो का प्रसारण रोकने का ऐलान कर दिया।

डोनाल्ड ट्रंप के हेलिकॉप्टर में अचानक आई खराबी, लंदन से लौटते वक्त करानी पड़ी इमरजेंसी लैंडिंग

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन से लौटते समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हेलिकॉप्टर में अचानक खराबी आ गई। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया लंदन से साथ में रवाना हुए थे। इसी दौरान हेलिकॉप्टर में हाइड्रॉलिक समस्या आ गई जिसकी वजह से दूसरा हेलिकॉप्टर लेना पड़ा। व्हाइट हाउस ने बताया कि इस खराबी की वजह से उनका हेलिकॉप्टर एक स्थानीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप और मेलानिया को सपोर्ट हेलिकॉप्टर में शिफ्ट होना पड़ा, जिसके चलते स्टैनस्टेड एयरपोर्ट पर उनके पहुंचने में थोड़ी देरी हुई। कैरोलिन लेविट ने प्रेस पूल को दिए बयान में कहा, एक छोटी सी हाइड्रॉलिक समस्या आई थी, जिसकी वजह से सावधानी के तौर पर पायलटों ने प्लान बदल दिया। स्टैनस्टेड एयरपोर्ट पहुंचने से पहले एक स्थानीय हवाई अड्डे पर हेलिकॉप्टर उतारा गया। राष्ट्रपति और प्रथम महिला सुरक्षित रूप से सपोर्ट हेलिकॉप्टर में सवार होकर रवाना हुए। वहीं, ब्रिटेन के राजकीय यात्रा से लौटने पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह भव्य स्वागत और शानदार आतिथ्य के लिए बेहद आभारी हैं। उनकी यह यात्रा मुश्किल व्यापार और भू-राजनीतिक मुद्दों पर सार्वजनिक मतभेदों से काफी हद तक बची रही। दोनों पक्षों के बीच गर्मजोशी देखने को मिली। राष्ट्रपति ट्रंप और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीअर स्टॉर्मर ने विज्ञान और तकनीक पर ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे दोनों पक्षों ने सराहा।

दोनों नेताओं ने वैश्विक व्यापार जगत के नेताओं के साथ एक गोलमेज सम्मेलन भी किया। इसमें दोनों नेताओं ने कहा कि इस समझौते से रोजगार में वृद्धि हो सकती है। ट्रंप और स्टॉर्मर के बीच निजी बातचीत में जिन विषयों पर ज्यादा चर्चा हुई, उनमें यूक्रेन-गाजा में युद्ध और ब्रिटेन से आयातित स्टील पर अमेरिकी शुल्क दरें शामिल थीं। ट्रंप ने कहा, 'हमारे देशों के बीच जो संबंध हैं वैसा दुनिया में कहीं और नहीं है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन ने इतिहास में किसी भी अन्य देश की तुलना में पृथ्वी के लिए अधिक अच्छा काम किया है।

रूस के कामचटका में 7.8 तीव्रता का भूकंप-सुनामी का अलर्ट जारी, बीते 3 महीनों में 7 तीव्रता से ज्यादा के 4 भूकंप आए

मॉस्को, एजेंसी। रूस के कामचटका के पूर्वी तट पर शुक्रवार सुबह 7.8 तीव्रता का जोरदार भूकंप आया। इसके बाद 5 आफ्टरशॉक महसूस किए गए, जिनकी तीव्रता 5.8 मापी गई। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की गई। तट पर 30 से 62 सेंटीमीटर ऊंची लहरें देखी गईं। कामचटका के गवर्नर व्लादिमीर सोलोदोव ने बताया कि सभी आपातकालीन सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं, लेकिन अभी तक किसी नुकसान की खबर नहीं है। इस क्षेत्र में आज आए भूकंप समेत 4 बड़े भूकंप 7.0 या उससे अधिक तीव्रता के दर्ज किए गए हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए भूकंप के वीडियो में घरों में फर्नीचर और लाइटें हिलती हुई दिखाई दीं। झटके इतने तेज थे कि सड़कों पर खड़ी गाड़ियां भी हिलती नजर आईं।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप रूसी शहर पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की से 128 किलोमीटर दूर, जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। रूस की स्टेट जियोफिजिकल सर्विस ने बताया कि बाद में तीव्रता घटकर 7.4 हो गई।

कुरिल द्वीप में भी सुनामी की चेतावनी जारी : गवर्नर ने टेलीग्राम पर कहा- आज (19 सितंबर) की सुबह एक बार फिर कामचटका के लोगों के धैर्य की परीक्षा ले रही है। फिलहाल किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। मैं सभी से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। कामचटका के पूर्वी तट के लिए सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई है। जनता को सतर्क किया जा रहा है। भूकंप के बाद सामाजिक संस्थानों और रिहायशी इमारतों में नुकसान की जांच शुरू कर दी गई है। कुरिल द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में भी सुनामी की चेतावनी जारी की गई। अमेरिका की नेशनल वेदर सर्विस और पैसिफिक सुनामी चेतावनी केंद्र ने अलास्का के कुछ हिस्सों के लिए सुनामी की सलाह जारी की थी, जिसे बाद में हटा लिया गया। कामचटका एक अत्यधिक भूकंपीय क्षेत्र है। पिछले एक हफ्ते में यहां 7 से अधिक तीव्रता के कम से कम दो भूकंप आ चुके हैं।

इस साल 1200 से ज्यादा भूकंप दर्ज हुए : रूस का कामचटका इलाका, जो प्रशांत महासागर में रिंग ऑफ फायर का हिस्सा है, इस साल भूकंपीय गतिविधियों का केंद्र रहा। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ों के अनुसार, इस साल यहां कुल 1,200 से अधिक भूकंप दर्ज किए गए हैं। इनमें से अधिकांश छोटे (मैग्नीट्यूड 2.0 से 4.0 के बीच) थे, लेकिन 4.0 या इससे ऊपर के 150 से ज्यादा भूकंप आए। इस क्षेत्र में 4 बड़े भूकंप 7.0 या उससे ज्यादा तीव्रता के दर्ज किए गए हैं।

दुनिया की पहली एआई मंत्री, जो ना भ्रष्टाचार करेगी और ना ही रिश्वत लेगी, क्या तकनीक चला पाएगी सरकार ?

तिराना, एजेंसी। इन दिनों एआई तकनीक दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल कर रही है। एआई सॉफ्टवेयर और एआई टूल्स के साथ-साथ, एआई न्यूज़ एंकर भी कई जगहों पर इस्तेमाल किए जा रहे हैं। अब तो एआई संसद में भी प्रवेश कर चुका है। जी हाँ, एआई संसद में। किसी उपकरण के रूप में नहीं, बल्कि एक मंत्री के रूप में। 18 सितंबर को, एआई से प्रेरित मंत्री डायला ने अल्बानियाई संसद में प्रवेश किया। डायला ने अपना पहला प्रभावशाली भाषण दिया। उन्होंने कहा कि वे लोगों की मदद करने आए हैं, उन्हें बदलने नहीं। डायला पारंपरिक अल्बानियाई पोशाक में एक महिला के रूप में वीडियो के ज़रिए संसद में उपस्थित हुईं।

प्रधानमंत्री एडी रामा ने डायला को सभी सार्वजनिक निविदाओं पर निर्णय लेने की ज़िम्मेदारी सौंपी है।

संविधान संस्थाओं की बात करता है : एआई मंत्री डायला ने 18 सितंबर को संसद में अपना भाषण दिया, जिसकी व्यापक चर्चा हुई। अपने भाषण के दौरान, डायला ने कहा कि संविधान संस्थाओं की बात करता है, न कि मानव शरीर या गुणसूत्रों की। उन्होंने आगे कहा कि उनकी कोई नागरिकता नहीं है, कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं है, कोई स्वार्थ नहीं है।

प्रधानमंत्री ने एआई मंत्री के बारे में क्या कहा : पोलिटिको के अनुसार, प्रधानमंत्री एडी रामा ने गुरुवार को अपने नए मंत्रिमंडल की घोषणा की। बैठक के दौरान, उन्होंने डिआला का परिचय कराया, जिनके नाम का अल्बानियाई भाषा में अर्थ सूर्य होता है। रामा ने कहा कि डिआला की भूमिका सरकारी निविदाओं का प्रबंधन और निजी कंपनियों को परियोजनाएँ देने के निर्णय लेने की होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डिआला को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि वह रिश्वत, धमकियों या किसी भी अन्य प्रकार के पूर्वाग्रह से प्रभावित नहीं होंगे। रामा का दावा है कि डिआला के आने से अल्बानिया में सरकारी निविदाएँ पूरी तरह से भ्रष्टाचार मुक्त हो जाएँगी। बाल्कन देश अल्बानिया लंबे समय से भ्रष्टाचार से जूझ रहा है। अनियमितताओं और रिश्वतखोरी की खबरें, खासकर सरकारी निविदाओं में, अक्सर आती रही हैं। इसके अलावा, अल्बानिया में नशीली दवाओं और हथियारों की तस्करी करने वाले गिरोह सक्रिय हैं, जो सरकारी व्यवस्था में घुसपैठ करके अपना पैसा लूटते हैं। यह भ्रष्टाचार अल्बानिया के यूरोपीय संघ (ईयू) में प्रवेश में भी बाधा बन रहा है। प्रधानमंत्री रामा का लक्ष्य 2030 तक ईयू में शामिल होना है, लेकिन विशेषज्ञ इसे बहुत मुश्किल काम मानते हैं।

बलूच आर्मी पर पाबंदी लगवाने चले थे चीन और पाक, अमेरिका से झटका, फ्रांस और ब्रिटेन भी खिलाफ

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पाकिस्तान में सक्रिय विद्रोही संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी और उसकी मजीद ब्रिगेड को संयुक्त राष्ट्र की पाबंदी सूची 1267 में शामिल कराने के प्रस्ताव पर अमेरिका ने वीटो कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान और उसके सदाबहार दोस्त चीन की ओर से इस प्रस्ताव को रखा गया था। इस पर अमेरिका ने वीटो लगा दिया। इसके अलावा ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देशों ने भी विरोध किया। इस तरह यह प्रस्ताव गिर गया। दरअसल संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध समिति 1267 के तहत यह प्रावधान है कि अलकायदा और इस्लामिक स्टेट से किसी भी तरह का ताल्लुक रखने वाले आतंकी संगठन पर पाबंदी लगाई जाती है।

ऐसे संगठनों की संपत्तियों को दुनिया भर में जब्त किया जा सकता है। इसी को लेकर अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन ने कहा कि जिस बलूच लिबरेशन आर्मी और उसके आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड पर पाबंदी का प्रस्ताव है, उसका अलकायदा और इस्लामिक स्टेट से तो कोई संबंध ही नहीं है। ऐसे में इन दोनों को इस सूची में शामिल नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने बुधवार को कहा था कि अफगानिस्तान में अलकायदा, इस्लामिक स्टेट, तहरीक-ए-तालिबान, ईस्ट तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट, बलूच लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड के ठिकाने हैं। पाकिस्तानी राजनयिक का दावा था कि अफगानिस्तान में इन संगठनों के कम से कम 60 ठिकाने हैं। लेकिन अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने इस दलील के आधार पर पाबंदी से इनकार किया। अमेरिका ने साफ कहा कि बलूच लिबरेशन आर्मी का अलकायदा या फिर इस्लामिक स्टेट से कोई संबंध नहीं पाया गया। इसलिए इस सूची में शामिल नहीं किया जा सकता। हालांकि यह भी सही है कि अमेरिका ने बलूच लिबरेशन आर्मी और मजीद ब्रिगेड को आतंकी संगठन घोषित किया है। बलूचिस्तान में लंबे समय से स्वायत्तता की मांग उठती रही है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने इस मांग को लेकर विद्रोह ही छेड़ रखा है। बता दें कि भारत कई बार पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी संगठनों पर पाबंदी की मांग कर चुका है, लेकिन चीन अकसर अड़ंगे लगाता रहा है। अब ऐसा पहली बार हुआ है, जब चीन और पाकिस्तान के साझा प्रयास को अमेरिका ने इस तरह झटका दिया है। उसके अलावा फ्रांस और ब्रिटेन ने भी विरोध किया है।

कनाडा और मैक्सिको ने की अमेरिका की घेराबंदी, टैरिफ धमकियों के बीच संबंधों को मजबूत करने का किया एलान

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ से जुड़ी धमकियों के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने गुरुवार को घोषणा की कि वे आपसी व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करेंगे। उन्होंने पश्चिमी गोलार्ध के सबसे अहम मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जीवित रखने की बात कही। इस एफटीए की अगले साल समीक्षा होनी है। पश्चिमी गोलार्ध में उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको और कुछ पश्चिमी अफ्रीकी हिस्से आते हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री बनने के बाद कार्नी का यह पहला मैक्सिको दौरा है। दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब क्षेत्र आर्थिक तनातनी से गुजर रहा है। मैक्सिको के राष्ट्रपति भवन में कार्नी और शीनबाम ने हाथ मिलाया और फिर एकसाथ बैठक के लिए प्रवेश किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप वहां मौजूद नहीं थे। लेकिन उनकी व्यापार नीति और अनिश्चितता इस मुलाकात के दौरान चर्चा का केंद्र बनी। कनाडा-मैक्सिको के सहयोग से मजबूत हुआ अमेरिका-कार्नी बैठक के बाद कार्नी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, उत्तरी अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह सबसे प्रतिस्पर्धी आर्थिक क्षेत्र माना जाता है और इसका एक बड़ा कारण कनाडा और मैक्सिको के बीच सहयोग है। हम अमेरिका के साथ मिलकर काम करते हैं, जिससे वह और भी मजबूत बनता है। हस सभी मिलकर और भी

मजबूत बनते हैं। कार्नी और शीनबाम की बैठक का मुख्य विषय अमेरिका-मैक्सिको-कनाडा मुक्त व्यापार समझौता यानी यूएसएमसीए था, जिसकी 2026 में समीक्षा होनी है।

स्थिर विकल्पों की तलाश में कनाडा-मैक्सिको : यह एफटीए तीनों देशों के बीच दशकों से चला आ रहा है। इससे तीनों की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हैं। कनाडा का 75 फीसदी से अधिक निर्यात और मैक्सिको का 80 फीसदी से अधिक निर्यात अमेरिका को ही जाता है। ट्रंप की लगातार बदलती व्यापार नीति और टैरिफ की धमकियों ने इन देशों के नेताओं और व्यापार जगत चिंतित कर दिया है, जिससे वे अब व्यापार के लिए अधिक स्थिर विकल्पों की तलाश में है। कार्नी के मैक्सिको दौरे पर हावी ट्रंप की छवि टोरंटो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमेरिटस नेल्सन वाइसमैन ने कहा, ट्रंप की गैरमौजूदगी के बावजूद उनकी छवि इस दौरे पर हावी है। कनाडा और मैक्सिको अब अमेरिका से एक समान खतरा महसूस कर रहे हैं। गुरुवार को कार्नी ने कहा कि वह कनाडा और मैक्सिको के बीच और अधिक व्यापार और निवेश की उम्मीद कर रहे हैं। शीनबाम ने कहा कि दोनों देशों ने एक ऐसी योजना पर सहमति बनाई है, जो उनकी आपसी आर्थिक संबंधों को एक नई दिशा देगी। शीनबाम ने यह भी कहा कि दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते के जरिए अलग-अलग क्षेत्रों में द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना चाहते हैं और इसके लिए समुद्री मार्गों का उपयोग करेंगे, ताकि उनका माल अमेरिका से होकर न गुजरे। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना भी कार्नी के दौरे का मकसद कार्नी के दौरे का मकसद मैक्सिको के साथ संबंध बेहतर करना भी था। दरअसल, कनाडा के कुछ प्रांती नेताओं ने पिछले साल कहा था कि अगर अमेरिका से नया व्यापार समझौता होता है, तो उसमें मैक्सिको को शामिल न किया जाए। ट्रंप ने फेंटानिल की तस्करी के मुद्दे पर कनाडा को मैक्सिको के साथ जोड़ा था और दोनों देशों पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। उस समय ओंटारियों प्रांत के प्रमुख नेता डग फोर्ट ने कहा था कि ट्रंप द्वारा कनाडा की तुलना मैक्सिको से करना सबसे अपमानजनक बात है। शीनबाम के राष्ट्रपति पद की शपथ समारोह में कनाडा का प्रतिनिधित्व करने वाले कनाडा के सांसद पीटर बोहम ने कहा कि इन प्रांतीय नेताओं की टिप्पणियों से मैक्सिको नाराज हो गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत रेलवे यार्ड में चल रहे जुआ अड्डे पर स्टेट मॉनिटरिंग सेल (SMC) की टीम ने छापा मारते हुए बड़ी कार्रवाई

25 जुआरियों को रंगेहाथ पकड़ा गया और भारी मात्रा में मुद्दामाल जब्त किया गया, रेलवे पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मिली जानकारी के अनुसार, गांधीनगर स्थित SMC टीम को उधना रेलवे स्टेशन यार्ड में कुख्यात और लिस्टेड बूटलैगर सनी भास्कर पाटिल द्वारा चलाए जा रहे जुआ अड्डे की पुख्ता सूचना मिली थी। इस आधार पर SMC ने गुप्त ऑपरेशन चलाकर छापा मारा और 25 जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया।

कार्रवाई के दौरान जुआरियों से कुल 5.67 लाख रुपये का मुद्दामाल जब्त किया गया, जिसमें 2.98 लाख रुपये नकद, 22 मोबाइल फोन और 5 वाहन शामिल हैं।

छापे के दौरान जुआ अड्डे का मुख्य संचालक सनी भास्कर पाटिल और उसके साथी अज्जू उर्फ हकीम अली सैयद, सद्दाम, डिका सहित कुल पांच लोग मौके से फरार हो गए। SMC ने इन्हें वॉन्टेड घोषित कर आगे की जांच और कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस घटना ने सूरत रेलवे पुलिस की भूमिका पर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। रेलवे क्षेत्र में इतने बड़े पैमाने पर जुआ अड्डा चल रहा था, लेकिन स्थानीय रेलवे पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी, या फिर उन्होंने जानबूझकर आँख मूँद ली।

मित्र की पत्नी को ठंडाई में भांग मिलाकर बेहोश कर दुष्कर्म

वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया, बार-बार होटल ले गया, 14 लाख ऐंठे और गर्भपात भी कराया,दो साल बाद गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में विश्वासघात और ब्लैकमेलिंग का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इसमें पति के ही एक मित्र ने दोस्ती का दुरुपयोग करते हुए एक विवाहित महिला को होली के दिन ठंडाई में भांग मिलाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद उसने उससे शारीरिक संबंध बनाए और वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो के दम पर आरोपी ने पीड़िता को ब्लैकमेल किया, बार-बार होटल ले गया, लाखों रुपये ऐंठे और यहां तक कि गर्भपात भी करवाया। आखिरकार पीड़िता की शिकायत पर आरोपी गिरफ्तार हो गया।

डिंडोली पुलिस थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार यह घटना वर्ष 2023 की है। आरोपी प्रवीण रंजीत पवार, जो मूल रूप से मध्यप्रदेश का निवासी है, पीड़िता के पति का मित्र था। होली के दिन उसने पीडिता को ठंडाई पीने दी, जिसमें भांग मिला दी थी। ठंडाई पीने के बाद पीड़िता बेहोश जैसी हो गई। इस स्थिति का फायदा उठाकर प्रवीण ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

प्रवीण ने इस पूरे कृत्य का वीडियो भी बना लिया। बाद में इसी वीडियो का इस्तेमाल ब्लैकमेलिंग के लिए किया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसे वीडियो वायरल करने की धमकी देकर अलग-अलग समय पर रकम ऐंठता रहा।

इस दौरान आरोपी ने पीड़िता का जबरन गर्भपात भी करवाया। ब्लैकमेलिंग के चलते वह पीड़िता को अलथाण की एक ओयो होटल और दमण भी ले गया, जहां उसने बार-बार संबंध बनाए।

सूरत के एसीपी दीप वकील ने बताया कि आरोपी ने शुरुआत में 3.70 लाख रुपये ऐंठे। इसके बाद वह नहीं रुका और पीड़िता को धमकाकर सोने के गहनों सहित 10.50 लाख रुपये और हड़प लिए। इस तरह उसने कुल 14 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी की।

आखिरकार पीड़िता की शिकायत और पुलिस की जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

सूरत के महावीर हेल्थ एंड मेडिकल रिलीफ हॉस्पिटल में कैंसर वार्ड की बिल्डिंग में आग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आग लगते ही अफरातफरी मच गई। सूरत के वेसु क्षेत्र स्थित महावीर हेल्थ एंड मेडिकल रिलीफ हॉस्पिटल के नव-निर्मित कैंसर विभाग में आग लगने की घटना के बाद भारी अफरातफरी मच गई। बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। चारों ओर फैले धुएँ के चलते अंदर फँसे 12 कर्मचारियों की जान पर बन आई थी। हालांकि, फायर ब्रिगेड की समय पर की गई कार्रवाई से कोई जनहानि नहीं हुई और सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

यह घटना महावीर अस्पताल की नव-निर्मित 10 मंज़िला कैंसर विभाग की बिल्डिंग में हुई थी। मिली जानकारी के अनुसार, अस्पताल में नए मशीनों की इंस्टॉलेशन का काम चल रहा था, तभी शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। इसके चलते पूरी बिल्डिंग में धुआँ फैल गया। अंदर काम कर रहे कर्मचारी घबराकर इधर-उधर भागने लगे। कुछ कर्मचारी तुरंत बाहर निकल आए, लेकिन लगभग 12 लोग अंदर फँस गए।

घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की 6 से अधिक गाड़ियाँ मौके पर पहुँचीं। फायर विभाग के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए 9 लोगों का रेस्क्यू किया।

लॉकडाउन में बूटलेगर बने रत्नकर्मी ने अब मुंबई से एम.डी. ड्रग्स की हेराफेरी शुरू कर दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, लॉकडाउन के दौरान रत्नकर्मी से बूटलेगर बने अमरेली के एक युवक ने अब मुंबई से एम.डी. ड्रग्स लाना शुरू कर दिया है। अपने साथी के साथ मुंबई से एम.डी. ड्रग्स लेकर आए युवक को सूरत क्राइम ब्रांच ने उधना स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय 2.71 लाख रुपये मूल्य के 27.110 ग्राम ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया। ड्रग्स सप्लाई करने वाले मुंबई के शख्स और अमरोली में ड्रग्स मंगवाने वाले व्यक्ति को वॉन्टेड घोषित कर कार्रवाई शुरू की गई।

दोनों अपने उपयोग के लिए और अमरोली के महेश वाघाणी को देने के लिए मुंबई सेंट्रल के रोहित उर्फ अली शेख से लेकर सूरत ट्रेन में आए थे

क्राइम ब्रांच सूत्रों के मुताबिक, घरफोड़ स्क्वाड को मिली सूचना के आधार पर बीती रात उधना रेलवे स्टेशन से बाहर निकलते समय रोड नंबर-0 पर से गुजर रहे जयदीप उर्फ जे.डी. छगनभाई पटेल (उम्र 31, निवासी - शांति नगर सोसाइटी, कतरगाम, मूल निवासी - नवली ओवारा, लिलिया, जिला अमरेली) और जिगर सुधीरभाई सावल्या (उम्र 30, निवासी - सौरोष्ट्र सोसाइटी, अशनिकुमार रोड, वराछा, मूल निवासी - मुरलीधर हाउस, जेसिंगपरा, अमरेली) को पकड़ लिया।

उनके पास से 2,71,100 मूल्य के 27.110 ग्राम एम.डी. ड्रग्स, तीन मोबाइल फोन, नकद 5400, दस्तावेज और दो रेलवे टिकट सहित कुल 3,01,500 का माल बरामद हुआ।

पूछताछ में सामने आया कि दोनों ड्रग्स लेने मुंबई गए थे और वहां मुंबई सेंट्रल के रोहित उर्फ अली शेख से ड्रग्स लेकर ट्रेन से सूरत लौट रहे थे। ये ड्रग्स वे अपने उपयोग के लिए और अमरोली छापराभाठा रोड, शुकन रेसिडेंसी निवासी महेश वाघाणी को देने लाए थे।

जांच में यह भी पता चला कि जिगर सावल्या पहले रत्नकर्मी के तौर पर काम करता था, लेकिन लॉकडाउन में वह बूटलेगर बन गया और अब

ट्रेन में 27.110 ग्राम ड्रग्स लेकर आए वराछा सौरोष्ट्र सोसाइटी के जिगर सावल्या और हमवतन जयदीप उर्फ जे.डी. उधना में पकड़े गए

उसने ड्रग्स बेचना शुरू कर दिया।

क्राइम ब्रांच ने इस मामले में उधना पुलिस थाने में केस दर्ज कर मुंबई के रोहित उर्फ अली शेख और अमरोली के महेश वाघाणी को वॉन्टेड घोषित कर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

सूरत में 5.72 करोड़ के एम्बरग्रीस के साथ भावनगर के युवक की गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के वराछा इलाके के हीराबाग सर्कल से SOG ने एक व्यक्ति को 5.72 करोड़ रुपये के एम्बरग्रीस (व्हेल मछली की उल्टी) के साथ गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति एम्बरग्रीस को बेचने के लिए घूम रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

मिली जानकारी के अनुसार, भावनगर निवासी विपुल बाम्भणिया प्रतिबंधित व्हेल मछली की उल्टी (एम्बरग्रीस) लेकर वराछा क्षेत्र के हीराबाग सर्कल में बेचने के लिए घूम रहा था। तभी SOG ने विपुल से प्लास्टिक बैग में रखा 5.72 किलोग्राम एम्बरग्रीस जब्त किया, जिसकी कीमत 5.72 करोड़ रुपये आंकी गई है।

कुछ दिन पहले उसे भावनगर समुद्र तट से यह समुद्र का तैरता सोना कही जाने वाली व्हेल मछली की उल्टी मिली थी। SOG ने आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए गुजरात वन विभाग को सौंप दिया है।

बॉलीवुड थीम पर मेघा म्यूजिकल हाउजी का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को बॉलीवुड लाइट, कैमरा थीम लड़की म्यूजिकल हाउजी का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष नटवरलाल टटनवाला ने बताया की इस मौके पर डुमस स्थित अग्र-एक्जोटिका के इम्प्रियल हॉल को बॉलीवुड की थीम में सजाया गया। शाम छ: बजे से आयोजित कार्यक्रम में होस्ट यतिन संगोई टीम एवं सिंगर के साथ लाइव बैंड की प्रस्तुति के साथ हाउजी खिलाई गयी। आयोजन में भाग लेने वाले 500 से ज्यादा प्रतियोगी बॉलीवुड की थीम पर तरह के परिधान (ड्रेसप) में आये और प्रत्येक गाने के दौरान डांस भी किया। प्रत्येक पार्ट के विजेताओं को विभिन्न केटेगरी में ईनाम ट्रस्ट द्वारा दिए गए। इस दौरान सभी के लिए ट्रस्ट द्वारा खाने की व्यवस्था की गई। अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट द्वारा जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में ट्रस्ट के सचिव ब्रिजमोहन अग्रवाल, सुरेन्द्र अग्रवाल, वसंत अग्रवाल, नंदकिशोर तोला, अशोक सिंघल, श्याम सुंदर सिहोटिया, सीए नितेश अग्रवाल, पुखराज अग्रवाल, युवा शाखा अध्यक्ष देवन अग्रवाल, विवेक गाडीया, मनिष अग्रवाल, महिला शाखा अध्यक्षा मनीषा कजरिया, बबीता जोधानी, मीनू पंसारी, नीता अग्रवाल सहित ट्रस्ट के अनेकों सदस्य, युवा एवं महिला शाखा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

पलसाणा पुलिस स्टेशन परिसर में गगनचुंबी टॉवर पर चढ़े शख्स का फिल्मी अंदाज में रेस्क्यू

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में लगातार आपराधिक घटनाएँ सामने आती रहती हैं। लेकिन आज एक अलग ही घटना हुई, जब एक व्यक्ति पलसाणा पुलिस स्टेशन के प्रांगण में बने ऊँचे टॉवर पर चढ़ गया। इसके बाद पुलिस स्टेशन का स्टाफ और फायर ब्रिगेड की टीम ने चतुराई दिखाते हुए उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया। इसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत में रोजाना आपराधिक घटनाएँ सामने आती रहती हैं, जिससे तंत्र की कार्यवाही पर सवाल उठते रहते हैं। लेकिन बीते दिन एक बाहरी व्यक्ति पलसाणा पुलिस स्टेशन परिसर में बने गगनचुंबी टॉवर पर चढ़ गया। इसकी खबर मिलते ही पुलिस के लिए उसे नीचे उतारना एक चुनौतीपूर्ण काम बन गया।

पलसाणा पुलिस के पीआई और पूरे स्टाफ ने अद्भुत शांति, बुद्धिमत्ता और चतुराई से इस स्थिति को संभाला। टॉवर पर बैठे शख्स को पुलिस स्टाफ ने बातों में व्यस्त रखा। उसे सुरक्षित नीचे उतारने के लिए क्रेन, सेफ्टी बेल्ट और रस्सी की मदद से फिल्मी अंदाज में ऑपरेशन चलाया गया। आखिरकार टॉवर पर बैठे शख्स को सुरक्षित नीचे उतारने में सफलता मिली।

नीचे उतारे गए इस व्यक्ति का नाम भरतभाई दशरथभाई पांडे (उम्र लगभग 32 वर्ष) है। वह मूल रूप से बिहार के औरंगाबाद का निवासी है और उसके मानसिक रूप से बीमार होने का कारण सामने आया है।

मीटिंग में आदिवासी जनजाति समुदाय को समृद्ध बनाने पर हुई चर्चा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एकल ग्रामोथान फाउंडेशन के पिपलोद स्थित कार्यालय में एक मीटिंग का आयोजन किया गया। इसमें ईजीएफ ट्रस्टी विनोद अग्रवाल (शिल्पा डाइंग, वेस्ट ज़ोन चेयरमैन सुरेश अग्रवाल, गुजरात स्टेट हेड बृजमोहन अग्रवाल के अलावा तापी एवं डांग क्षेत्र से आए निवासी एवं सेवा-व्रती कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मीटिंग में आदिवासी जनजाति समुदाय को कौशल विकास के माध्यम से समृद्ध बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही किए गए प्रयासों के बारे में बताया गया।

मीटिंग में सभी में पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया। ज्ञात रहे की एकल ग्रामोथान फाउंडेशन पूरे देश में स्किल डेवेलपमेंट एवं ऑर्गेनिक फार्मिंग का प्रशिक्षण देकर जनजातीय समाज के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए कार्यरत है।